नई दिल्ली | सोमवार , 06 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :90 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल मेसी और सुआरेज के गोल से इंटर ...
@ विचार पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र ...
@ व्यापार होर्मुज को लेकर खाड़ी देशों का 'विकल्पों' ...

सक्षिप्त खबर

ये तो ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है- राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से चल रही तकरार के बीच राघव चड्ढा ने नया पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है- मेरे उन सहयोगियों के लिए जो मजबूर होकर वीडियो जारी कर रहे हैं और कह रहे हैं कि राघव चड्ढा संसद में पंजाब के मुद्दे उठाने में असफल रहे। उनके लिए एक छोटी झलक। कहानी अभी बाकी है।

चड्ढा ने आगे लिखा- पंजाब मेरे लिए सिर्फ एक विषय नहीं है। यह मेरा घर है, मेरा कर्तव्य है, मेरी मिट्टी है, मेरी आत्मा है।

राघव ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें उन्होंने पार्लियामेंट में अपनी स्पीच दिखाई हैं। इनमें चड्ढा को पंजाब के मुद्दे उठाते सुना जा सकता है।

वहीं, आप नेता सौरभ भारद्वाज ने दावा किया है कि राघव चड्ढा ने पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा की आलोचना वाले अपने सभी पुराने पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। सौरभ ने सोशल मीडिया पर लिखा-

कुछ लोगों के सुझाव पर मैंने राघव की टाइमलाइन में भाजपा और मोदी सर्च किया। पेज नं -2

ईरान पर टूटेगा कहर, 'महाविनाश की तैयारी'

ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर होगें जोरदार हमले

एजेंसी ■ वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच,अमेरिका ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान को सख्त चेतावनी दी और उसके ऊर्जा संयंत्रों व पुलों पर हमलों की बात कही है।

> मंगलवार को ईरान में एक ही दिन में ऊर्जा संयंत्र दिवस और पुल दिवस मनाया जाएगा। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। जलडमरूमध्य खोल दें, पागलों, वरना नरक में जाओगे- देखते रहिए। अल्लाह से प्रार्थना करिए।
>
> *डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति, अमेरिका*

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक बार फिर ईरान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है, तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले कर सकता है और उसे नरक जैसा परिणाम भुगतना पड़ सकता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर क्या कहा ?

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, मंगलवार को ईरान में एक ही दिन में ऊर्जा संयंत्र दिवस और पुल दिवस मनाया जाएगा। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। जलडमरूमध्य खोल दें, पागलों, वरना नरक में जाओगे- देखते रहिए। अल्लाह से प्रार्थना करिए।

'अमेरिका ने ईरान से पायलट को बचाया'

इससे पहले एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने कहा, अमेरिकी सेना ने ईरान की पहाड़ियों के अंदर गंभीर रूप से घायल और बेहद बहादुर एफ-15 क्रू मेंबर/अफसर को बचाया। राष्ट्रपति ने बताया कि ईरानी सेना बड़ी संख्या में उन्हें खोज रही थी और करीब आ रही थी। ट्रंप ने अपने प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि यह पायलट एक बहुत ही सम्मानित कर्नल हैं और इस तरह के अभियान बहुत कम ही किए जाते हैं, क्योंकि यह सैनिकों और उपकरणों के लिए बेहद खतरनाक होता है। उन्होंने बताया कि पहला अभियान दिन के उजाले में हुआ, जिसमें सात घंटे ईरान के अंदर बिताए गए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सभी सैनिकों की बहादुरी और कौशल की प्रशंसा की और सोमवार को व्हाइट हाउस में सैन्य अधिकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। उन्होंने कहा, भगवान हमारे महान सैन्य योद्धाओं को आशीर्वाद दें।

भारतीय ध्वज वाले जहाज ग्रीन आशा ने पार किया स्ट्रेट ऑफ होर्मुज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एलपीजी के मोर्चे पर देश के लिए खुशखबरी है। भारतीय ध्वज वाले जहाज ग्रीन आशा ने ईरान के पास मौजूद संकरे समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर लिया है।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव शुरू होने के बाद, यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकलने वाला भारत का नौवां जहाज है।

ईरान ने अमेरिका, इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। दुनिया के एनर्जी सेक्टर के लिए यह रास्ता काफी अहम है, क्योंकि विश्व में होने वाले पेट्रोलियम के कुल व्यापार में से 20 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रीन आशा एक एलपीजी टैंकर है और बढ़ते जोखिमों के बावजूद इसका सफलतापूर्वक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करना, इस क्षेत्र पर भारत की निरंतर निर्भरता को दर्शाता है।

इस तनाव ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे दुनिया के ऊर्जा बाजार कठिन चुनौती से गुजर रहे हैं।

समुद्री आंकड़ों से पता चलता है कि इस मार्ग का उपयोग करने वाले लगभग 60 प्रतिशत मालवाहक जहाज या तो ईरान से आ रहे हैं या ईरान के लिए ही जा रहे हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारतीय जहाजों की गतिविधि अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

ग्रीन आशा की यात्रा से पहले, कम से कम आठ भारतीय जहाज इस मार्ग से गुजर चुके थे।

इनमें एलपीजी वाहक बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम शामिल थे, जिन्होंने संघर्ष क्षेत्र से लगभग 94,000 टन माल का परिवहन किया।

मार्च के अंत में, पाइन गैस और जग वसंत सहित चार भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकरों ने तीन दिनों की अवधि में 92,600 टन से अधिक एलपीजी की आपूर्ति की।

इससे पहले, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी ने मार्च के मध्य में गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों तक लगभग 92,700 टन एलपीजी पहुंचाई थी।

अन्य शिपमेंट में कच्चा और ईंधन शामिल थे।

तेल टैंकर जग लाडकी ने संयुक्त अरब अमीरात से मुंद्रा तक 80,000 टन से अधिक कच्चे तेल का परिवहन किया, जबकि जग प्रकाश ने ओमान से अफ्रीकी बाजारों के लिए गैसोलीन ले जाते हुए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार किया।

एलएसजी ने खोला जीत का खाता, एसआरएच को 5 विकेट से हराया

एजेंसी ■ हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के विरुद्ध 5 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ एलएसजी ने नए सीजन में जीत का खाता खोल लिया है। 2 में से 1 जीत के साथ यह टीम प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है, जबकि 3 में से 2 मैच गंवाने के बाद एसआरएच पांचवें स्थान पर है।राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच ने 9 विकेट खोकर 156 रन बनाए। इस टीम की शुरुआत खराब रही। सनराइजर्स हैदराबाद ने 7.1 ओवरों में 26 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे। यहां से नितीश कुमार रेड्डी ने हेनरिक क्लासेन के साथ पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की साझेदारी की। नितीश 33 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए, जबकि क्लासेन ने 41 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 62 रन की पारी खेली। इनके अलावा, लियाम लिविंगस्टोन (14) दहाई का आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे। विपक्षी खेमे से मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि दिग्वेश राठी और मणिमारन सिद्धार्थ ने 1-1 विकेट निकाला। इसके जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 19.5 ओवरों में जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श ने एडन मार्करम के साथ 28 गेंदों में 37 रन जुटाए। मार्श महज 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद मार्करम ने कप्तान ऋषभ पंत के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रन जुटाए। मार्करम 27 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 45 रन बनाकर आउट हुए। पेज नं -2

टीएमसी का भय या भाजपा का भरोसा, बंगाल में लोगों के सामने दो विकल्प : पीएम मोदी

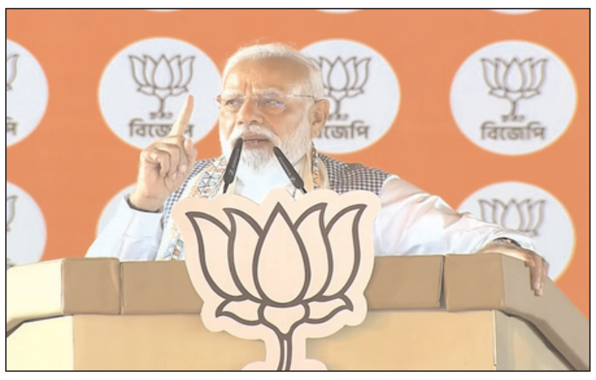

एजेंसी ■ कूच बिहार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड से मैंने बंगाल में परिवर्तन महाअभियान की शुरुआत की थी। ब्रिगेड ग्राउंड की वो ऐतिहासिक तस्वीरें, जनसैलाब और वो उत्साह, जनता का जूनून... तब से पूरा टीएमसी सिंडिकेट घबराया हुआ है और आज मैं देख रहा हूं, ब्रिगेड ग्राउंड में जो बिगुल बजा, कूच बिहार ने उस पर मुहर लगा दी है।

उन्होंने कहा कि कूच बिहार में भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि टीएमसी का समय अब समाप्त हो चुका है। एक ओर टीएमसी का भय है, और इसका मुकाबला करने के लिए आपके पास भाजपा का भरोसा है।

उन्होंने कहा कि एक ओर टीएमसी के कटमनी और करप्शन का भय है, दूसरी ओर विकास को तेज रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक ओर घुसपैठ कराकर, विदेशियों को यहां बसाने का भय है, दूसरी ओर घुसपैठ रोककर सारे घुसपैठियों को बंगाल से बाहर करने का भाजपा का भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ टीएमसी का डर है, तो दूसरी तरफ भाजपा पर भरोसा है। एक तरफ टीएमसी के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का डर है, तो दूसरी तरफ भाजपा पर भरोसा है, जो विकास को गति दे सकती है। एक तरफ घुसपैठ का डर है, तो दूसरी तरफ भाजपा पर भरोसा है, जो राज्य से घुसपैठियों को भगा सकती है।

उन्होंने कहा कि एक ओर संदेशखाली जैसी बहनों की चीखें और बेटियों पर होता निर्मम अत्याचार है, दूसरी ओर नारीशक्ति को सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण की 'मोदी की गारंटी' है। मैं आपको भरोसा देता हूं कि इस बार चुनाव के बाद इनके पापों का पूरा हिसाब किया जाएगा। पेज नं -2

पाकिस्तान की भारत को धमकी- अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगा:रक्षा मंत्री आसिफ

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत अपने लोगों या हिरासत में बंद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके झूठा ड्रामा रचने की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह इस बार भारत को और ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा। आसिफ ने आगे ये भी कहा कि शवों को कहीं रखकर पाकिस्तान पर आतंकवाद का आरोप लगाया जा सकता है। लेकिन उन्होंने (भारत ने) इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया। पेज नं -2

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले 319 करोड़ रुपए की प्रचार सामग्री और कैश जब्त

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में रविवार तक इलेक्शन फ्लाइंग स्क्वायड और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कुल 319 करोड़ रुपए मूल्य की नकदी, शराब और अन्य मुफ्त वस्तुएं जब्त की गई हैं। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

चुनाव वाले पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से बंगाल मुफ्त उपहारों (150 करोड़ रुपए), शराब (55 करोड़ रुपए), कीमती धातु (39 करोड़ रुपए) और नकदी (11 करोड़ रुपए) की बरामदगी के मामले में सबसे आगे है, जिनका कथित तौर पर मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

चुनाव आयोग के बयान में कहा गया है कि 23 और 29 अप्रैल को होने वाले दो चरणों के चुनावों से पहले कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने राज्य से 65 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स बरामद की हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि सभी पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव अधिकारियों द्वारा जब्त की गई 29.63 लाख लीटर शराब में से पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 21.29 लाख लीटर शराब जब्त की गई है।

चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव से पहले असम में फ्लाइंग स्क्वाड और निगरानी टीमों ने 4 करोड़ रुपए नकद जब्त किए हैं। राज्य में नकदी के अलावा 20 करोड़ रुपए मूल्य की 6,84,627 लीटर शराब भी जब्त की गई है।

चुनाव आयोग ने कहा कि 5 अप्रैल तक असम में 56 करोड़ रुपए की ड्रग्स, 4 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 13 करोड़ रुपए मूल्य की अन्य मुफ्त वस्तुएं जब्त की गई हैं।

चुनाव आयोग ने बताया कि असम में अब तक बरामद मुफ्त उपहारों और प्रतिबंधित वस्तुओं का कुल मूल्य 97 करोड़ रुपए है।

तमिलनाडु में कुल मिलाकर 170 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। इसमें 67 करोड़ रुपए की ड्रग्स, 63 करोड़ रुपए की अन्य मुफ्त वस्तुएं, 30 करोड़ रुपए नकद, 8 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं, और 2 करोड़ रुपए की शराब शामिल है।

केरल में चुनाव आयोग ने कुल 58 करोड़ रुपए मूल्य की रिश्वत की वस्तुएं बरामद की हैं। पेज नं -2

अमित शाह की सुरक्षा में चूक, कोलकाता पुलिस के चार अधिकारी निलंबित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल विधानसभा के विपक्ष नेता सुवेंदु अधिकारी के काफिले के पास 1 अप्रैल को हुए तनाव के संबंध में बड़ी कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने कोलकाता पुलिस के चार अधिकारियों को निलंबित करने का निर्देश दिया, जिनमें एक उपायुक्त रैंक का अधिकारी भी शामिल है।

यह कार्रवाई 2 अप्रैल को अलीपुर में सर्वे बिल्डिंग के सामने कानून-व्यवस्था से जुड़े एक मामले के संबंध में की गई, जब भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान सुरक्षा में चूक हुई थी।

निलंबित अधिकारियों में सिद्धार्थ दत्ता (डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस - डीसी-II, दक्षिण संभाग, कोलकाता पुलिस), प्रियंकर चक्रवर्ती (अधिकारी प्रभारी ओसी , अलीपुर पुलिस स्टेशन), चंडी चरण बनर्जी (अतिरिक्त अधिकारी प्रभारी , अलीपुर पुलिस स्टेशन) और सौरभ चटर्जी (सार्जेंट, अलीपुर पुलिस स्टेशन) शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने मांगी एक्शन रिपोर्ट

आयोग ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और निर्देश दिया है कि उपर्युक्त पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की जाए।

भारत के समुद्री क्षेत्र की अपार क्षमता का पूरा उपयोग करेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली। 'नेशनल मेरीटाइम डे' के अवसर पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के योगदान को सराहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यह दिन भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को याद करने और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के अमूल्य योगदान को सम्मान देने का अवसर है। समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों की मेहनत और समर्पण देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत बनाता है।

पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि भारत अपने समुद्री क्षेत्र की अपार संभावनाओं का उपयोग कर एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता रहेगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, '21वीं सदी में, भारत का समुद्री क्षेत्र तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हमने सदियों पुराने औपनिवेशिक शिपिंग कानूनों की जगह 21वीं सदी के आधुनिक और भविष्योन्मुखी कानून लागू किए हैं। ये नए कानून राज्य समुद्री बोर्डों को सशक्त बनाते हैं, सुरक्षा और स्थिरता को मज़बूत करते हैं, और बंदरगाह प्रबंधन को डिजिटल बनाते हैं।

उन्होंने बताया कि 'मैरीटाइम इंडिया' विज़न के तहत 150 से ज्यादा पहलें शुरू की गई हैं, जिसके बाद बड़े बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है, टर्नअराउंड समय कम हो गया है और क्रूज़ पर्यटन में तेजी आई है।

इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर भारत के समुद्री क्षेत्र के कर्मियों को मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, 'शांति के समय हो या मुश्किलों भरे दौर में, देश के विकास को आगे बढ़ाने में आपके पेशेवरपन और साहस ने अहम भूमिका निभाई है।

देश आपकी निष्ठा को सलाम करता है।

वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस मौके पर देश के नाविकों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को सलाम किया।

उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि भारत की समुद्री विरासत हमारी ताकत है और यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार को आगे बढ़ाने के साथ-साथ देश के तटीय इलाकों की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने एक मजबूत और टिकाऊ समुद्री भविष्य के लिए प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'सदियों से भारत की समुद्री मार्गों के ज़रिए दुनिया से जुड़ने की एक गौरवशाली परंपरा रही है। राष्ट्रीय समुद्री दिवस के मौके पर मैं साहसी और दिलेर नाविकों को बधाई देता हूं।

बता दें कि राष्ट्रीय समुद्री दिवस हर साल 5 अप्रैल को मनाया जाता है।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय पर हथगोला फेंकने के दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान और हरियाणा पुलिस की सहायता से चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय के बाहर हथगोला फेंकने वाले दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को यहां दी।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान गुरतेज सिंह और अमनप्रीत सिंह के रूप में हुई है; दोनों रोपड़ के रतनगढ़ के निवासी हैं। उन्हें हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार किया गया। आरोपी अमनप्रीत सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड है, जिसके तहत उसके खिलाफ क्रमशः मोहाली और हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में चोरी और छीना-झपटी की प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है।

इनकी गिरफ्तारी इस मामले में शामिल पांच आरोपियों, बलविंदर लाल, जसवीर सिंह, चरणजीत सिंह, रुबल चौहान और मनदीप की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है। इन आरोपियों के पास से एक हथगोला और एक .30 बोर जिगाना पिस्तौल बरामद की गई थी।

डीजीपी यादव ने यहां मीडिया को बताया कि इन दो और गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले में शामिल सभी सात आरोपी अब पुलिस हिरासत में हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों को आईएसआई समर्थित विदेशी हैंडलर, पुर्तगाल में बलजोत सिंह उर्फ ??जोत और जर्मनी में हरजीत सिंह लाडी ने उकसाया और निर्देशित किया था, और उन्हें हमले को अंजाम देने के लिए 2 लाख रुपए का इनाम देने का वादा किया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने अपने विदेशी हैंडलर्स के निर्देशों पर हमले की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपियों ने हमले को अंजाम देने के लिए कई कटआउट और सब-मॉड्यूल का इस्तेमाल किया।

उत्तराखंड में खनन से आय का नया अध्याय, पहली बार 1,200 करोड़ के पार पहुंचा राजस्व

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व और सुदृढ़ नीतियों के परिणामस्वरूप उत्तराखंड का खनन विभाग राजस्व प्राप्ति के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने 950 करोड़ रुपए के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कुल 1,217 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित कर अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

इस उपलब्धि में ट्रेजरी में 1,130 करोड़ रुपए, जिला खनिज फाउंडेशन न्यास (डीएमएफ) में 80 करोड़ रुपए और एसएमईटी से 7 करोड़ रुपए का योगदान शामिल है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी विभाग ने 875 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 1,041 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित कर अपनी कार्यक्षमता सिद्ध की थी।

प्रदेश में खनन राजस्व की यह निरंतर वृद्धि मुख्यमंत्री धामी की पारदर्शी, जवाबदेह और सुधारोन्मुखी नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। वर्ष 2012-13 में मात्र 110 करोड़ रुपए से शुरू हुआ यह सफर अब 2025-26 में 1,217 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है।

सीएम धामी के स्पष्ट निर्देशों के तहत खनिज नीति एवं नियमावली का सरलीकरण किया गया, जिससे वैध खनन को बढ़ावा मिला और अवैध खनन, परिवहन व भंडारण पर प्रभावी रोक लगी। पारदर्शी व्यवस्था के तहत खनन पट्टों का आवंटन किया गया, जिससे राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि संभव हो सकी।

सीएम धामी की पहल पर तकनीकी नवाचारों को भी प्राथमिकता दी गई। माइनिंग डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से चार मैदानी जनपदों में 45 अत्याधुनिक ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं, जिनमें एएनपीआर कैमरा, आरएफआईडी टैग और अन्य आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही मिनरल मैनेजमेंट सिस्टम, ई रवन्ना, माइनिंग ई-सर्विसेज, सर्विलांस इन्फोर्समेंट सिस्टम और डिसीजन सपोर्ट सिस्टम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म लागू किए गए हैं।

ई-रवन्ना प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए विशेष सिक्योरिटी फीचर युक्त कागज की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे फर्जीवाड़े और दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। इन सभी प्रयासों के चलते अवैध खनन पर लगाम लगी है ।

और राजस्व में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री धामी के मार्गदर्शन में किए गए इन नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। 28 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में एमडीटीएसएस और ई-रवन्ना सिक्योरिटी पेपर परियोजनाओं को प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड (गोल्ड) से सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, खान मंत्रालय भारत सरकार द्वारा लघु खनिज सुधार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उत्तराखंड को 'सी' श्रेणी के राज्यों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ, जिसके तहत 100 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिली। साथ ही स्टेट माइनिंग रेडिनेस इन्डेक्स में बेहतर प्रदर्शन के लिए भी 100 करोड़ रुपए की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई।

स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पारदर्शिता, तकनीकी सशक्तीकरण और कठोर प्रवर्तन के समन्वय ने उत्तराखंड के खनन क्षेत्र को नई दिशा दी है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और सुशासन का मॉडल स्थापित हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर और युपी में दो दिन बारिश: आईएमडी ने जारी किया यलो अलर्ट

दिल्ली। कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में 6 अप्रैल को तापमान 31-33 और रात का 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। साथ ही आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। मौसम विभाग ने 7 अप्रैल के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आसमान में बादल छाए रहेंगे। वहीं, 8 अप्रैल को सुबह से शाम तक गरज और बिजली के साथ तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

नया पश्चिमी विक्षोभ 7 अप्रैल से

मौसम विभाग के अनुसार, 9, 10 और 11 अप्रैल को आंशिक रूप से बादल छाए रहेगा। इस दौरान तापमान 30-34 और रात का 15-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, बारिश की संभावना कम होगी। मौसम विभाग के अनुसार, नया पश्चिमी विक्षोभ 7 अप्रैल से उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, रविवार को दिनभर तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। हालांकि, मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया था। इस दौरान अधिकतम तापमान 33.1 और न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 80 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 30 प्रतिशत रही।

मध्यम श्रेणी में हवा बरकरार, एक्यूआई 150 के नीचे

दिल्ली में हवा की गति बदलने और धीमी होने के चलते रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 134 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। शनिवार की तुलना में तीन सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई।

एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 201 खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। फरीदाबाद में 173, गाजियाबाद में 160 और गुरुग्राम में 154 एक्यूआई दर्ज किया गया। नोएडा की हवा सबसे साफ रही जिसका एक्यूआई 146 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चल रही है। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 3300 मीटर रही और वेंटिलेशन इंडेक्स 18000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, शाम चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 139.2 और पीएम2.5 की मात्रा 56.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। सीपीसीबी का पूर्वानुमान है कि बुधवार तक हवा मध्यम श्रेणी में बरकरार रहेगी।

यूपी में भी दो दिन बारिश के आसार

शनिवार और रविवार को हुई बारिश के चलते उत्तर प्रदेश में दो से तीन डिग्री की गिरावट महसूस की गई। सोमवार को मौसम साफ रहने के आसार हैं लेकिन सात व आठ अप्रैल को आंधी-तूफान के साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश की संभावन व्यक्त की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का नया दौर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से सात अप्रैल को शुरू होगा जिसका असर आठ अप्रैल को पूरे प्रदेश में देखा जाएगा।

शेष पेज - 01

एलएसजी ने खोला जीत का खाता, एसआरएच को 5 विकेट से हराया...

जिसके बाद पंत ने आयुष बडोनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 25 रन जोड़े।

बडोनी 9 गेंदों में 12 रन बनाकर चलते बने। पंत ने अब्दुल समद के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रन जोड़कर टीम को जीत के करीब ला दिया। समद (16) के पवेलियन लौटने के बाद पंत ने मोर्चा संभाला, उन्होंने 50 गेंदों में 9 चौकों के साथ 68 रन की नाबाद पारी खेलकर एलएसजी को जीत दिलाई।

विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, ईशान मलिंगा और शिवांग कुमार ने 1-1 अपने नाम किया।

टीएमसी का भय या भाजपा का भरोसा, बंगाल में लोगों के सामने दो विकल्प : पीएम मोदी ..

चुन-चुन कर हिसाब किया जाएगा। 4 मई के बाद कानून अपना काम करेगा। चाहे कोई बड़े से बड़ा गुंडा क्यों न हो... इस बार न्याय होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि यहां की निर्मम सरकार बंगाल की इस पावन माटी पर हर रोज लोकतंत्र को लहुलूहान कर रही है। ये निर्मम सरकार अपने आगे किसी संवैधानिक संस्था को कुछ भी नहीं समझती। दो-तीन दिन पहले पूरे देश ने देखा है कि कैसे मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाकर रखा गया।

पाकिस्तान की भारत को धमकी-अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगा:रक्षा मंत्री आसिफ ...

भारतीय रक्षा मंत्री बोले थे- पाकिस्तान ने गंदा खेल खेला तो जवाब देंगे

ख्वाजा आसिफ के इस बयान पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरलम में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान फिर कोई गलत कदम उठाएगा तो भारतीय सेना निर्णायक जवाब देगी। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान ने दोबारा गंदा खेल खेला तो भारतीय सैनिक ऐसा जवाब देंगे जो वे कभी नहीं भूलेंगे।

भारत पर प्रॉक्सी वॉर चलाने का आरोप लगा चुके ख्वाजा आसिफ

ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में कहा था कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है।

आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा।

आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है।

पूर्व पाक उच्चायुक्त मुंबई और दिल्ली पर हमले की बात कह चुके

इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने भी विवादास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला कर दे तो पाकिस्तान को बिना एक पल सोचे मुंबई और नई दिल्ली पर हमला कर देना चाहिए।

बासित ने कहा, 'अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है तो हम अमेरिका तक नहीं पहुंच सकते क्योंकि वह हमारे न्यूक्लियर रेंज में नहीं है। ऐसे में हमारा क्या विकल्प होगा? भारत। बाद में जो होगा देख लेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि यह सबसे खराब स्थिति है, जो संभव नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान पर कोई खतरा मंडराए तो भारत पर हमला करना पाकिस्तान के पास विकल्प होगा।

अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक पाकिस्तान के उच्चायुक्त के रूप में भारत में तैनात रह चुके हैं।

अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक पाकिस्तान के उच्चायुक्त के रूप में भारत में तैनात रह चुके हैं।

पहलगाम हमले से बढ़ा तनाव

22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया।

पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई में आर्टिलरी, ड्रोन और मिसाइल का इस्तेमाल किया। दोनों देशों के बीच चार दिन तक तनाव रहा, जिसके बाद 10 मई 2025 को सीजफायर हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए थे

भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया था। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले 319 करोड़ रुपए की प्रचार सामग्री और कैश जब्त...

इनमें 41 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स, 8 करोड़ रुपए नकद, 5 करोड़ रुपए मूल्य की अन्य मुफ्त वस्तुएं, 2 करोड़ रुपए मूल्य की शराब और 1 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातु शामिल हैं।

पुडुचेरी में बरामद की गई वस्तुओं की कीमत 7 करोड़ रुपए है, जिसमें 6 करोड़ रुपए की कीमती धातु, 20 लाख रुपए नकद, 30 लाख रुपए की शराब और 1 लाख रुपए मूल्य की अन्य मुफ्त वस्तुएं शामिल हैं।

कुल मिलाकर, प्रवर्तन एजेंसियों ने चुनाव वाले सभी पांच राज्यों से 651.5 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और मुफ्त उपहार जब्त किए हैं।

हिंसा-मुक्त, धमकी-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 5,173 फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर किया जाए।

इसके अलावा, ईसीआई ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर अचानक धरना-प्रदर्शन करने के लिए 5,200 से अधिक स्थिर निगरानी दल (एसएसटी) भी तैनात किए गए हैं।

ये तो ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है- राघव चड्ढा...

कोई आलोचनात्मक पोस्ट नहीं मिली। इसका मतलब है कि उन्होंने अपने सभी पुराने आलोचनात्मक पोस्ट हटा दिए हैं। अब केवल 2 पोस्ट हैं जिनमें मोदी शब्द है और वे भी मोदी की तारीफ करने वाले हैं।

सौरभ भारद्वाज के दावे के मुताबिक, राघव चड्ढा के हैंडल पर मोदी और भाजपा से जुड़ी केवल ये 2 पोस्ट बाकी हैं, जिनमें चड्ढा मोदी और भाजपा की तारीफ कर रहे हैं।

इधर, मशहूर कवि कुमार विश्वास का डेढ़ साल पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह कह रहे हैं कि क्क का अगला शिकार राघव चड्ढा होंगे। उसने हीरोइन से शादी कर ली और रील दिखने लगी है।

कुमार विश्वास AAP के फाउंडर मेंबर्स में से एक हैं। दिल्ली में सरकार बनने के बाद उनका अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम से मनमुटाव हो गया, जिसके बाद उन्होंने AAP छोड़ दी थी।

एक पॉडकास्ट में राघव चड्ढा के बारे में बात करते कवि कुमार विश्वास। राघव ने एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा से शादी की है।

एक पॉडकास्ट में राघव चड्ढा के बारे में बात करते कवि कुमार विश्वास। राघव ने एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा से शादी की है।

राघव ने VIDEO जारी कर कहा- स्क्रिप्टेड कैंपेन चला रहे राघव ने 4 अप्रैल को दूसरा वीडियो जारी कर कहा- कल से मेरे खिलाफ एक स्क्रिप्टेड कैंपेन चलाया जा रहा है।

वही भाषा, वही बातें, वही आरोप। यह कोई कोइंसिडेंस नहीं, बल्कि एक को-ऑर्डिनेटेड अटैक है। पहले मुझे लगा कि मुझे इसका जवाब नहीं देना चाहिए। फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो कहीं लोग मान न लें। इसलिए, मैंने सोचा कि जवाब दूं। मैं संसद में शोर मचाने, चिल्लाने, माइक तोड़ने या गाली देने नहीं गया, बल्कि जनता के मुद्दे उठाने के लिए गया हूं।

आखिर में राघव ने धुरंधर फिल्म का डायलॉग, 'घायल हूं, इसलिए घातक हूं' कहते हुए AAP को चेतावनी दी।

सीजीएमएससी के 50 से ज्यादा टेंडर हुए रद्द

ठेकेदारों का काम करने से इंकार, करोड़ो रूपये के काम अधर में लटके

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के दावों के बीच एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। दरअसल, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (CGMSC) द्वारा जारी किए गए 50 से ज्यादा टेंडरों को एक ही महीने के भीतर रद्द करना पड़ा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ठेकेदारों का पुराने बकाये का भुगतान न होना बताया जा रहा है। पेमेंट लटकने की वजह से ठेकेदारों ने नए कामों में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, जिसके बाद विभाग को मजबूरी में इन टेंडरों को निरस्त करना पड़ा बता दें कि इन टेंडरों में प्रदेश के सुदूर इलाकों में बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC), उप स्वास्थ्य केंद्र (SHC), फिजियोथेरेपी यूनिट और स्टाफ क्वार्टर जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य शामिल थे। इसके तहत नाबार्ड फंडेड प्रोजेक्ट ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के लिए ये प्रोजेक्ट संजीवनी माने जा रहे थे। वहीं आयुष्मान हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत क्रिटिकल केयर ब्लॉक और 10-बेड आईसीयू जैसे काम अब लटक गए हैं। इन टेंडरों की अनुमानित लागत 20 लाख से लेकर 95 लाख रुपये तक थी।

मैदान में क्यों नहीं उतरे ठेकेदार?

ग्राउंड सूत्रों की मानें तो CGMSC पर ठेकेदारों का लगभग 49.16 करोड़ रुपये का भुगतान पिछले कई महीनों से बकाया है। रायपुर के दफ्तरों के चक्कर काट रहे ठेकेदारों का कहना है कि जब पुराना पैसा ही नहीं मिला, तो नए काम में अपनी पूंजी कैसे फंसाएं? जनवरी में जारी टेंडरों की अंतिम तिथि फरवरी थी, लेकिन किसी भी वैध बोली के न आने पर विभाग को इन्हें रद्द करना ।

जीएसटी चोरी करने वाले डेढ़ लाख कारोबारी रडार पर, 10 अप्रैल तक पहुचेगा नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्य व्यापार विभाग ने टैक्स चोरी रोकने के लिए अपना सबसे बड़ा अभियान शुरू किया है। विभाग के सर्वे में खुलासा हुआ है कि प्रदेश में क्लोज शॉप लाख (1.50 लाख) बिजनेस ऐसे हैं, जो कंपनी के ग्रुप में आने के बावजूद नामांकन नहीं करा रहे हैं। अब विभाग ने साफ कर दिया है कि 10 अप्रैल के बाद ऐसे सभी अपंजीकृत दस्तावेजों को सीधे नोटिस दिया जाएगा।

असल में, विभाग ने इस बार बहुत ही ट्रिक से डेटा तैयार किया है। विभाग ने एक सूची तैयार की है। जिसमे फैक्टरियों और स्टोर्स की अब जांच होगी। बैंकों से भी उन व्यपारियों की जानकारी ली जा रही है जिनमें फ्लोरिंग टर्नओवर तो करोड़ों में है, लेकिन वे वाणिज्यिक संस्थान में नहीं भर रहे हैं।

30 हजार का जुर्माना दिखाने के लिए प्रोटोटाइप नंबर नहीं दिखाया गया है

विभाग ने केवल पंजीकरण ही नहीं किया अगर आपके पास अपनी दुकान या रिटेलर के बाहरी हिस्से में छपा नंबर की जानकारी नहीं है, तो आप पर 30 हजार रुपये की कमी लग सकती है। निवेशकों के अनुसार, अभी भी 40 प्रतिशत व्यापारियों की अपनी जानकारी में गिरावट नहीं हो रही है, जिसमें अब के बाद सीधे चेतावनी दी जाएगी।

कमिश्नर स्टेट कमिश्नर पुष्पेंद्र कुमार मीना के मुताबिक, छोटे कारखाने टर्नओवर बड़ा है, उन्हें सलाह दी जा रही है।

लेकिन जो पैकेजिंग टैक्स चोरी कर रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होगी। इस कदम से राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी, लेकिन छोटी आजादी के लिए 10 अप्रैल की डेडलाइन बड़ी चुनौती बन गई है।

7 साल के बच्चे को नहाते देखकर पड़ोसी की नीयत बिगड़ी, गलत हरकत बाद की हत्या

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 7 साल के बच्चे से गलत हरकत के बाद मर्डर हुआ है। मासूम तालाब में नहा रहा था। इस दौरान पड़ोसी रंजीत कुमार (19) की नीयत बिगड़ गई। आरोपी उसे बहलाकर सुनसान जगह ले गया, जहां बच्चे का पैंट उतारकर उसने गंदी हरकत की। विरोध करने पर मार डाला।

मामला पाली थाना के ग्राम पंचायत डोंगानाला के आश्रित ग्राम गणेशपुर का है। आरोपी ने पोल खुलने के डर से बच्चे के सिर पर पत्थर से 4 बार हमला किया। वारदात के बाद शव 12 फीट गहरे कुएं में फेंक दिया था। घटना के 2 दिन बाद बच्चे की लाश मिली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम गणेशपुर के रहने वाले शिवकुमार खुरसेंगा किसान है। उनका 7 साल का बेटा आयान 2 अप्रैल की दोपहर अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया था। सभी बच्चे रोज की तरह साथ गए थे।

नहाने के बाद उसके बाकी दोस्त तो वापस घर लौट आए, लेकिन आयान नहीं पहुंचा। काफी देर तक वो नहीं आया तो घरवालों की चिंता बढ़ गई। पहले आसपास तलाश की गई, रिश्तेदारों और गांव वालों से पूछा गया, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला।

आखिरी बार पड़ोसी के साथ दिखा था मासूम

परिवार वाले लगातार उसे ढूंढते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी दौरान उन्हें पता चला कि आयान को घर के सामने रहने वाला रंजीत कुमार (19) के साथ देखा गया था। वो आयान को अपने साथ ले गया था। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना थाने में दी।

बच्चे का सुराग नहीं मिलने पर बुलाई बैठक

3 अप्रैल को भी परिवार वाले आयान को ढूंढने में लगे रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

बंगाल में परिवर्तन होगा, ममता के गुंडाराज का अंत तयः विष्णु देव साय

रायपुर। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दावा किया है कि माहौल भाजपा के पक्ष में है। इस बार परिवर्तन होगा और ममता बनर्जी के गुंडाराज का अंत तय है।

रायपुर में मीडिया से बातचीत में सीएम साय ने कहा कि बंगाल में भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। शनिवार को मैंने झारग्राम का दौरा किया, जहां चार विधानसभा क्षेत्रों से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों ने अपने नामांकन दाखिल किए। नामांकन रैली ऐतिहासिक थी, जिसमें लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने कुछ नहीं किया। लोगों को रोजगार नहीं मिला, बेटी और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। ममता बनर्जी ने किसी भी केंद्रीय योजना का लाभ नहीं दिया। पश्चिम बंगाल में गुंडाराज, उन्होंने तो लालू राज को भी पीछे छोड़ दिया है।

सीएम साय ने कहा कि ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार के खिलाफ जनता में गहरा गुस्सा है, क्योंकि उन्हें लगता है कि पिछले पंद्रह वर्षों में वहां कुछ भी काम नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देश के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं, लेकिन टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल में केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं होने देती है। इसलिए पश्चिम बंगाल के तीव्र विकास के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली भ्रष्टाचारी टीएमसी सरकार को हटाना ही होगा।

बंगाल चुनाव को लेकर भाजपा का दावा है कि इस बार टीएमसी नहीं, भाजपा की सुशासन वाली सरकार बनेगी। लोग शांति से जीवन यापन करेंगे और पीएम मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचेगा।

इसी क्रम में शनिवार को सीएम साय के अलावा उनके मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों ने बंगाल में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी प्रचार किया। सीएम साय नयाग्राम, गोपीबल्लवपुर, झारग्राम एवं बिनपुर विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रोड शो में शामिल हुए।

सीएम साय ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि जनता के आशीर्वाद से पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की इस लहर से भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जनादेश मिलेगा।

चौड़ीकरण मुआवजे पर सियासत, नेता प्रतिपक्ष ने महापौर को दोहरी नीति पर घेरा

रायपुर। नगर निगम की सामान्य सभा में तात्यापारा चौक के संपत्तिकर और प्रभावितों का मुददा गर्मा गया है। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने 30 मार्च को सदन में इस मुद्दे को लेकर प्रमुख महापौर और राज्य सरकार पर प्रभावितों की अनदेखी का आरोप लगाया। तिवारी ने कहा कि मेयर ने पहले तो इस्तीफा दे दिया था, लेकिन एक साल के बजट और दूसरे बजट प्रोजेक्ट के बाद भी प्रभावितों के लिए कोई ठोस प्रस्ताव नहीं दिया गया।

तात्यापारा रोड राजधानी के सबसे व्यस्त और पुराने व्यापारिक क्षेत्रों में से एक है। सड़क चौड़ीकरण के कारण सैकड़ों आदिवासियों और निवासियों का रोजगार और एशिया प्रभावित हो रहा है। प्रोटोटाइप में रुकावट और ओवरब्रिज निर्माण के नए खतरे ने स्थानीय लोगों के बीच अनिश्चितता और विशिष्टता पैदा की है, जो आने वाले समय में एक बड़ा आंदोलन बन सकता है।

बजट में अनदेखी और भाजपा का विरोधाभास

सबसे पहले टी.पी. भी देखें : एक और अर्थशास्त्री की घोषणा केंद्र सरकार कर सकती है

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने सदन में याद दिलाया कि मेयर ने खुद के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा था, लेकिन बजट में इसका जिक्र न होना समझ से परे है।

उन्होंने भाजपा सरकार और स्थानीय नामों के बीच समन्वय की कमी पर भी सवाल उठाए। तिवारी ने कहा, 'एक ओर रामपुर न्यूनतम बजरंग मोहन अग्रवाल अपनी ही सरकार से विपक्ष की मांग कर रहे हैं, वहीं उत्तर नेता पुरंदर मिश्रा पहले पारंपरिक परंपरा से चर्चा की बात कर रहे हैं। भाजपा की व्यवस्था खत्म हो गई है क्या?

आकाश तिवारी ने राज्य सरकार द्वारा 'दोहरी मार' पर व ओवरब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां भाजपा सरकार विफल हो रही है, वहीं दूसरी ओर ओवरब्रिज पार्टी की ओर से संकट खड़ा हो रहा है।

आरोप: मेयर ने 10 करोड़ के प्रस्ताव के बाद भी बजट में कोई प्रस्ताव नहीं रखा।

30 मार्च की आम सभा में नेताओं ने प्रमुखता से मांग रखी।

तात्यापारा के प्रभावितों का नुकसान अब नगर निगम दहलीज से सड़क मार्ग की लड़ाई बन सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने साफ कर दिया कि जब तक प्रभावितों को संघर्ष नहीं करना पड़ा, तब तक वे सड़क पर उतर आए। वहीं, बीजेपी के अंदर सिलेंडर और ओवरब्रिज को लेकर अलग-अलग राय आने वाले दिनों में प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने 4 महिलाओं को कुचला, 3 की मौत : सब्जी लेकर लौट रही थी

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने 4 महिलाओं को कुचल दिया, हादसे में 3 महिलाओं की जान चली गई। हादसा रविवार शाम NH130 स्थित भिट्ठीकला में हुआ है। महिलाएं सब्जी खरीदकर बाजार से लौट रही थी, तभी अचानक सामने से आई बेकाबू स्कॉर्पियो उन्हें रौंदते हुए आगे निकल गई।

मामला मणिपुर थाना क्षेत्र का है। घायल महिला का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने गाड़ी के ड्राइवर को खूब पीटा और हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान 3 से 4 किलोमीटर तक लंबा जाम लगा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार स्कॉर्पियो (क्रमांक सीजी 15 ईएच 8874) अंबिकापुर से लखनपुर जा रही थी, तभी ग्राम भिट्ठीकला में 3 महिलाओं को कुचलते हुए गाड़ी आगे बढ़ी और तीसरी महिला को रौंदा दिया। गाड़ी फिर भी नहीं रुकी आगे जाकर सामने से आ रहे ट्रेलर से टकराकर रूक गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

स्कॉर्पियो की टक्कर से घायल तीनों महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक अन्य महिला आयुशी घायल है। गुस्साई भीड़ ने स्कॉर्पियो से भाग रहे ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ लिया और जमकर पीटा।

उग्र भीड़ ने नेशनल हाईवे पर शव रखकर जाम कर दिया है। मौके पर पहुंची मणिपुर पुलिस ने ड्राइवर सोनू राजवाड़े को हिरासत में लिया और उसे तुरंत थाने भेजा। फिलहाल ग्रामीणों को समझाइश देने का प्रयास जारी है।

सब्जी खरीदने आई थी महिलाएं

हर रविवार को भिट्ठीकला में साप्ताहिक बाजार लगता है। हादसे की शिकार महिलाएं सब्जी खरीदने बाजार आई थीं, और शाम को लौट रही थीं। अभी महिलाओं की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, अंबिकापुर के ग्राम भिट्ठीकला के पास हुए सड़क हादसे में 3 महिलाओं की असामयिक मृत्यु का समाचार अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है।

शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

घटना में घायल महिला के समुचित एवं बेहतर उपचार हेतु आवश्यक सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं।

हरित खाद, नीली-हरी शैवाल के उत्पादन तकनीक और उपयोग को गांव-गांव तक पहुंचाएं

राज्य के 150 से अधिक कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ की। उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'हरित खाद, नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वरकों' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी खरीफ सीजन से पहले किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्पों के प्रति जागरूक करना और सतत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना था।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों की संभावित कमी को देखते हुए हरित खाद, नीली-हरी शैवाल और जैव उर्वरक जैसे विकल्प फसलों की पोषक आवश्यकताओं का लगभग 50 प्रतिशत तक पूरा कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले दो से तीन महीनों में इन तकनीकों के उत्पादन और उपयोग को गांव-गांव तक पहुंचाया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल सहित राज्य के विभिन्न जिलों से आए 150 से अधिक कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर उभरती अनिश्चितताओं के बीच छत्तीसगढ़ ने टिकाऊ कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दक्षिण-पूर्व एशिया और विशेषकर ईरान में जारी संघर्ष के कारण पेट्रोलियम उत्पादों एवं उर्वरक निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल के आयात पर संभावित असर को देखते हुए ।

माशिमं ने प्रश्न पत्रों की सुरक्षा में किया बदलाव, 'वन टाइम लॉक सिस्टम' लागू करने का निर्णय

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) बोर्ड ने आगामी परीक्षाओं के लिए 'वन टाइम लॉक सिस्टम' लागू करने का निर्णय लिया है। यह प्रणाली आगामी सभी परीक्षाओं में लागू की जाएगी।

बोर्ड अधिकारियों के अनुसार, अब प्रश्न पत्रों के पैकेट को विशेष वन टाइम लॉक से सील किया जाएगा, जिसे एक बार खोलने के बाद दोबारा बंद नहीं किया जा सकेगा।

इसके अलावा, गोपनीय सामग्री को अब GPS लॉक युक्त विशेष कंटेनरों में लगाए जायेंगे और कंटेनर की लोकेशन पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। परिवहन के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी मिल सकेगी।

अब GPS लॉक युक्त विशेष कंटेनरों में परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा।

इससे कंटेनर की लोकेशन पर लगातार नजर रखी जा सकेगी और परिवहन के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी मिल सकेगी।

जिला शिक्षा अधिकारियों को भी विशेष जिम्मेदारी दी गई है। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी केंद्रों पर वन टाइम लॉक सही तरीके से लगाया गया है और सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है।

भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने वित्त वर्ष 26 में 915.17 मिलियन टन कार्गो का किया प्रबंधन

नई दिल्ली। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत आने वाले प्रमुख बंदरगाहों ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सामूहिक रूप से 915.17 मिलियन टन कार्गो का प्रबंधन किया है, जो कि 904 मिलियन टन के वार्षिक लक्ष्य से अधिक है। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि यह पिछले वर्ष की तुलना में 7.06 प्रतिशत अधिक है, जो इस क्षेत्र की मजबूत रिकवरी, बेहतर दक्षता और निरंतर विकास को दर्शाता है।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री, सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, 'हमारे प्रमुख बंदरगाहों द्वारा 915 मिलियन टन से अधिक का रिकॉर्ड कार्गो प्रबंधन, भारत के समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, हम भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए विश्व स्तरीय बंदरगाह अवसंरचना का निर्माण कर रहे हैं। इसके साथ ही कुशलता में सुधार कर रहे हैं और निर्बाध लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित कर रहे हैं। यह उपलब्धि 'मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047' के तहत भारत को एक वैश्विक नौवहन शक्ति के रूप में स्थापित करने के हमारे संकल्प को और सुदृढ़ करती है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह प्रदर्शन प्रमुख बंदरगाहों में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण 160.11 मीट्रिक टन के साथ शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा है, इसके बाद पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण 156.45 मीट्रिक टन और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) 102.01 मीट्रिक टन पर है।

इसके अलावा, विशाखापत्तनम बंदरगाह प्राधिकरण, मुंबई बंदरगाह प्राधिकरण, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण और न्यू मंगलौर बंदरगाह प्राधिकरण सहित अन्य प्रमुख बंदरगाहों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिसने समग्र कार्गो माल ढुलाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विकास दर के संदर्भ में, मोर्मुगाओ बंदरगाह प्राधिकरण ने 15.91 प्रतिशत की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की, इसके बाद कोलकाता डॉक सिस्टम 14.28 प्रतिशत और जेएनपीए 10.74 प्रतिशत पर रहे, जो बेहतर दक्षता और कार्गो की बढ़ती मात्रा को दर्शाते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि कार्गो प्रबंधन में यह निरंतर वृद्धि कई कारकों द्वारा संचालित रही है, जिनमें बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और उनकी क्षमता में वृद्धि, सुदृढ़ मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तथा निर्बाध हिंटरलैंड लिंकेज (पश्चभूमि संपर्क), डिजिटल एवं स्मार्ट पोर्ट पहलों को अपनाना, और कोयला, कच्चे तेल, कंटेनर, उर्वरक एवं पी.ओ.एल. जैसी प्रमुख वस्तुओं के संचालन में वृद्धि शामिल है। साथ ही, जहाजों के टर्नअराउंड समय में सुधार और बंदरगाहों पर व्यापार सुगमता ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय बंदरगाह-आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स एकीकरण और स्थिरता पर केंद्रित एक व्यापक समुद्री रणनीति को आगे बढ़ाना जारी रखे हुए है।

महज 24 की उम्र में जापान की ओलंपिक चैंपियन पहलवान ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में 57 किलोग्राम भार वर्ग की महिला कुश्ती चैंपियन सुगुमी सकुराई ने महज 24 साल की उम्र में संन्यास लेने का फैसला किया है। जापान की यह खिलाड़ी अब पहलवानों की नई पीढ़ी को तैयार करने के साथ पश्चिमी जापान में अपने गृह क्षेत्र कोची प्रीफेक्चर के लिए खेलों की सद्भावना दूत के तौर पर काम करेंगी।

सकुराई साल 2021, 2022 और 2023 में लगातार तीन बार वर्ल्ड चैंपियन रही थीं, जिसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में अपने देश के लिए गोल्ड जीता। सोशल मीडिया पर संन्यास की जानकारी देते हुए सकुराई ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'आपके लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद। मैंने कुश्ती में अपने लगभग 21 साल के करियर को अलविदा कहने और संन्यास लेने का फैसला किया है। अब तक, मैं बहुत से लोगों के समर्थन से एक बेहतरीन माहौल में कुश्ती में आगे बढ़ पाई हूं। मैं ओलंपिक में गोल्ड जीतने का सपना पूरा कर पाई। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद।

फैंस का आभार जताते हुए सकुराई ने लिखा, 'आपके लगातार मार्गदर्शन और समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, तब भी जब नतीजे हासिल करना मुश्किल था। कुश्ती के जरिए मुझे बहुत सारे अनुभव मिले हैं। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो बहुत दर्द भी हुआ, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने कुश्ती जारी रखी।

अपने नए सफर की जानकारी देते हुए सकुराई ने बताया, 'यह फैसला मैंने पिछले एक साल में बहुत से लोगों से बात करने और सोचने-समझने के बाद लिया है। मैं अब से कोची रेसलिंग क्लब, कोनान सिटी में एक क्लासरूम शुरू करना चाहती हूं, और रेसलिंग को फैलाने और मजबूत करने के लिए अपना पूरा जोर लगा दूंगी। 2016 में अंडर-17 विश्व चैंपियन बनीं सकुराई ने 2022 और 2023 में क्रमशः एशियन चैंपियनशिप और एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीते। हालांकि, एशियन चैंपियनशिप 2024 के फाइनल में उन्हें अपने करियर की गिनी-चुनी शिकस्त में से एक का सामना करना पड़ा।

मुंबई: गैस सिलेंडर चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार, 45 सिलेंडर और 3 बाइक बरामद

मुंबई। मुंबई के पवई इलाके में पुलिस ने एक बड़े गैस सिलेंडर चोरी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में मुख्य आरोपी राज चंद्रकांत कांबले (45) समेत उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से कुल 45 गैस सिलेंडर और तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई है, जो मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे के विभिन्न इलाकों से चोरी की गई थीं।

मुंबई पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, हाल के दिनों में खाड़ी देशों में चल रहे संघर्ष के चलते आम नागरिकों में गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंता और असमंजस का माहौल बना हुआ है। ऐसे समय में इस तरह की चोरी की घटनाओं ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी थी। दरअसल, इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब पवई पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में एक दोपहिया वाहन चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई। जांच के दौरान पता चला कि चोरी की गई उसी बाइक का इस्तेमाल कर आरोपियों ने गैस सिलेंडर चुराने की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने स्थानीय सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद ठाणे के वर्तक नगर इलाके में दबिश देकर एक आरोपी को पकड़ा गया, जिसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोटरसाइकिलें और 45 गैस सिलेंडर बरामद किए, जो अलग-अलग इलाकों से चोरी किए गए थे। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मुख्य आरोपी राज चंद्रकांत कांबले के खिलाफ मुंबई और अन्य पुलिस स्टेशनों में दस से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पवई पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

तेलंगाना: निर्मल शहर में फ्रिज फटने से दो की जलकर मौत

हैदराबाद । तेलंगाना के निर्मल शहर स्थित एक घर में रेफ्रिजरेटर फटने से दो लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

यह घटना शनिवार देर रात निर्मल जिला मुख्यालय के महालक्ष्मीवाड़ा इलाके में हुई, जो हैदराबाद से लगभग 200 किलोमीटर दूर है। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण रेफ्रिजरेटर में धमाका हुआ, जिसके बाद आग लग गई।

आग की लपटों में एक पुरुष और एक महिला फंस गए। दोनों बुरी तरह झुलस गए थे। घायल हालत में उन्हें जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। मृतकों में से एक की पहचान ओडिसेला विजय (50) के रूप में हुई, जो दिहाड़ी मजदूर था। वहीं, मृतक महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

इ, घटना को लेकर पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी। घटना की सूचना पाकर दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम किया। इस बीच, रविवार को तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

इजरायल में पूरी तरह सुरक्षित हैं यूपी के 6000 से अधिक श्रमिक, योगी सरकार लगातार संपर्क में

लखनऊ । इजरायल में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच उत्तर प्रदेश के 6000 से अधिक श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी श्रमिकों की नियमित निगरानी की जा रही है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम लगातार इजरायल में भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और वहां मौजूद भारतीयों, विशेषकर यूपी के श्रमिकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

दूतावास से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इजरायल में कार्यरत सभी भारतीय श्रमिक सुरक्षित हैं और फिलहाल, किसी भी तरह की आपात स्थिति या बड़े खतरे की सूचना नहीं है। इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम लगातार यूपी के श्रमिकों के विषय में अपडेट ले रहे हैं। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ टेलीफोन पर उनकी लगातार बातचीत हो रही है। 11, 17 और 28 मार्च को साझा किए गए अपने संदेशों में भारतीय राजदूत ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि सभी भारतीय श्रमिक, जिनमें उत्तर प्रदेश के श्रमिक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से कुछ चिंता का माहौल है, लेकिन किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं आई है। दूतावास सभी के साथ लगातार संपर्क में है और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखा जा रहा है।

राजदूत ने यह भी जानकारी दी कि कुछ यूपी के श्रमिकों ने हाल ही में भारत से गए पत्रकारों का आतिथ्य भी किया, जो इस बात का संकेत है कि स्थिति नियंत्रण में है और श्रमिक सामान्य जीवन जी रहे हैं। भारतीय दूतावास की प्रथम सचिव डॉ. गरिका तेजेश्वर ने भी प्रमुख सचिव के साथ वार्तालाप में पुष्टि की है कि यूपी के सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि कुछ भारतीय नागरिक, मुख्य रूप से व्यापारी और छात्र स्वेच्छा से वापस लौटे हैं, जिनकी जॉर्डन के रास्ते यात्रा में दूतावास ने सहायता की। यदि कोई श्रमिक लौटना चाहता है तो उसके लिए भी यही व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकती है।

उन्होंने बताया कि दूतावास के कंट्रोल रूम को अब तक कोई गंभीर या आपातकालीन संदेश प्राप्त नहीं हुआ है और सभी श्रमिक स्थानीय सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस पूरे मामले पर गंभीरता से नजर बनाए हुए है। प्रमुख सचिव श्रम डॉ. शन्मुगा सुंदरम नियमित रूप से दूतावास के संपर्क में रहकर श्रमिकों की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि विदेशों में कार्यरत प्रदेश के सभी श्रमिक सुरक्षित रहें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल: पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

युद्ध की आग में तपती भारतीय अर्थव्यवस्था

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार: क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा?

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है।

वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

बांग्लादेश: ईरान संघर्ष का असर, ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । ईरान संघर्ष का असर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है। द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईंधन, उर्वरक, माल ढुलाई और विदेशी मुद्रा जैसे अहम क्षेत्रों पर दबाव बढ़ रहा है।

भले ही बांग्लादेश इस संघर्ष क्षेत्र से भौगोलिक रूप से दूर है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहरे जुड़ाव के कारण इसका असर तेजी से महसूस हो रहा है।

इस व्यवधान का सबसे बड़ा कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जहां से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और एलएनजी गुजरता है। इस मार्ग में किसी भी तरह की बाधा ऊर्जा आपूर्ति, शिपिंग और उर्वरक की उपलब्धता को प्रभावित करती है, जो कृषि के लिए बेहद जरूरी हैं।

वैश्विक बाजार में इसका असर दिखने लगा है। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है, एलएनजी की आपूर्ति में देरी हो रही है और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। उर्वरकों की कीमतों में भी उछाल देखा जा रहा है, जिससे खाद्य उत्पादन पर खतरा मंडरा रहा है।

बांग्लादेश के लिए ये सभी झटके एक साथ आ रहे हैं। ऊर्जा की बढ़ती लागत बिजली और परिवहन की कीमतों को ऊपर ले जा रही है, जबकि महंगे उर्वरक कृषि लागत को बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही माल ढुलाई महंगी होने से आयात लागत में भी इजाफा हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समस्या सिर्फ कीमतों में वृद्धि की नहीं है, बल्कि इन जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता भी चिंता का विषय बनती जा रही है।

ईंधन, उर्वरक या शिपिंग में किसी भी तरह की कमी अर्थव्यवस्था को कीमतों से भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। आयात महंगा हो रहा है, इससे निर्यात और प्रवासी आय (रिमिटेंस) पर भी दबाव पड़ सकता है, खासकर अगर खाड़ी देशों के श्रम बाजार कमजोर होते हैं। सरकार पर वित्तीय दबाव भी बढ़ रहा है। वैश्विक ईंधन कीमतों का पूरा असर जनता तक न पहुंचे, इसके लिए सब्सिडी दी जा रही है, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ रहा है। वहीं, कमजोर कर संग्रह के कारण अतिरिक्त राहत देने की गुंजाइश सीमित हो गई है।

ऊर्जा और उर्वरक की बढ़ती लागत का असर परिवहन और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे 'कॉस्ट-पुश' महंगाई की स्थिति बन रही है।

पूर्वी अफगानिस्तान के मुख्य हाईवे पर हादसा, एक की मौत और पांच घायल

काबुल । पूर्वी अफगानिस्तान के वर्दक प्रांत में काबुल-कंधार हाईवे पर हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी रविवार को सरकारी बख्तर न्यूज एजेंसी ने दी।

यह टक्कर शनिवार शाम प्रांत के सैयद अबाद जिले में हुई। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि हादसे के बाद, घायलों को तुरंत इलाज के लिए पास के मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

इस घटना ने अफगानिस्तान के जरूरी ट्रांसपोर्टेशन कॉरिडोर पर सड़क सुरक्षा की चुनौतियों की ओर फिर से ध्यान खींचा है।

3 अप्रैल को, पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में भी एक पैसेंजर बस की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी और 13 घायल हो गए थे।

प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता खालिद सरहदी ने बताया कि यह जानलेवा हादसा शुक्रवार सुबह काराबाग जिले में मुख्य सड़क पर हुआ। हादसे में एक बच्चा लापता है जिसकी तलाश की जा रही है।

इस हादसे की वजह भी चालक की लापरवाही को माना गया। सरहदी ने कहा कि हादसे की जांच चल रही है।

28 मार्च को भी, पूर्वी अफगानिस्तान के लघमन प्रांत में एक मिनी-बस ने दो मोटर चालकों को टक्कर मार दी थी, जिसमें एक यात्री की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए थे।

प्रांतीय पुलिस ऑफिस ने एक बयान जारी किया, जिसके मुताबिक, 28 मार्च को प्रांतीय राजधानी मेहतरलाम में मिनी-बस ने एक के बाद एक दो वाहनों को टक्कर मार दी। तीन पहियों वाले रिक्शा और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी गई, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई और पांच बच्चों और दो महिलाओं समेत 10 घायल हो गए। हाल ही में तालिबान पुलिस की ओर से कुछ आंकड़े पेश किए गए, जिनके मुताबिक, पिछले साल (2025) अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत में सड़क हादसे में 136 लोग मारे गए।

संपादकीय

रोटी से बड़ी हो गई गैस - शहर छोड़ते मजदूरों की मजबूरी

महेन्द्र तिवारी

भारत में प्रवासी मजदूरों का संकट एक बार फिर सामने खड़ा है, और इस बार इसकी जड़ में केवल आर्थिक मंदी या रोजगार की कमी नहीं, बल्कि एक गहरा ऊर्जा संकट है, जिसने शहरों की चमक के पीछे छिपी कमजोरियों को उजागर कर दिया है। हाल के दिनों में देश के कई औद्योगिक शहरों विशेषकर सूरत, दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद में हजारों मजदूर अपने गांवों की ओर लौटते दिखाई दिए। यह वही वर्ग है जिसने वर्षों से भारत के औद्योगिक विकास की रीढ़ बनकर काम किया है, लेकिन संकट आते ही सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। इस बार संकट की शुरुआत रसोई से हुई है। एलपीजी की भारी कमी और कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने मजदूरों के लिए शहरों में रहना लगभग असंभव बना दिया है। कई रिपोर्टों के अनुसार छोटे सिलेंडरों की कीमत 500 से बढ़कर 1,100–2,000 तक पहुंच गई, जबकि सामान्य घरेलू सिलेंडर 3,200–4,000 तक बिकने लगे। इतना ही नहीं, ब्लैक मार्केट में गैस 500 प्रति किलो तक पहुंच गई, जो एक दिहाड़ी मजदूर के लिए असंभव है। ऐसे में सवाल यह नहीं रह जाता कि मजदूर क्यों जा रहे हैं, बल्कि यह बन जाता है कि वे रुकें भी तो कैसे। सूरत, जो देश का प्रमुख टेक्सटाइल हब है, इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। वहां पिछले एक महीने में 1.5 लाख से अधिक मजदूर शहर छोड़ चुके हैं। यह पलायन इसलिए नहीं हुआ कि काम नहीं था, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि मजदूर अपने दैनिक जीवन की बुनियादी जरूरत खाना पकाने को पूरा नहीं कर पा रहे थे। यह स्थिति बताती है कि शहरी अर्थव्यवस्था कितनी हद तक अस्थायी और असुरक्षित श्रम पर निर्भर है। इस संकट की जड़ें वैश्विक घटनाओं से भी जुड़ी हुई हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति को बाधित किया है, विशेषकर एलपीजी जैसी ईंधन आपूर्ति को, जिसका बड़ा हिस्सा भारत आयात करता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अत्यधिक रूप से बाहरी स्रोतों पर निर्भर है, और यह निर्भरता अब संकट का कारण बन रही है। जब अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उसका सीधा असर देश के सबसे कमजोर वर्ग पर पड़ता है। यही कारण है कि एलपीजी संकट केवल ऊर्जा संकट नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट में बदल जाता है। इसका प्रभाव केवल मजदूरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे औद्योगिक ढांचे पर पड़ रहा है। छोटे और मध्यम उद्योग, जिन्हें एम एस एम ई कहा जाता है, इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। ये उद्योग उत्पादन के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं, और जैसे ही गैस की कीमत बढ़ी या आपूर्ति बाधित हुई, उत्पादन धीमा पड़ गया। कई जगहों पर फैक्ट्रियों को सप्ताह में दो दिन बंद रखना पड़ा, और काम के घंटे कम करने पड़े। इससे न केवल उत्पादन घटा, बल्कि मजदूरों की आय भी प्रभावित हुई। देश के विभिन्न हिस्सों से मिल रही खबरें इस संकट की व्यापकता को दर्शाती हैं। तेलंगाना में होटल और रेस्तरां उद्योग को भारी नुकसान हुआ है, जहां 50 प्रतिशत तक गैस की कमी के कारण कई इकाइयों को बंद करना पड़ा और हजारों मजदूर बेरोजगार हो गए। मध्य प्रदेश में पारंपरिक खाद्य उद्योगों का उत्पादन 50 प्रतिशत तक गिर गया है, जबकि कर्नाटक और अन्य राज्यों में निर्माण कार्य रुकने लगे हैं क्योंकि मजदूरों के पास खाना बनाने की सुविधा नहीं है। यह दिखाता है कि एक ईंधन संकट कैसे पूरे आर्थिक तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि मजदूरों के पास औपचारिक एलपीजी कनेक्शन नहीं होते। अधिकांश प्रवासी मजदूर अस्थायी बस्तियों में रहते हैं, जहां उन्हें गैस कनेक्शन लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं मिल पाते। परिणामस्वरूप वे ब्लैक मार्केट पर निर्भर होते हैं, जहां कीमतें कई गुना अधिक होती हैं। यह व्यवस्था उन्हें हर संकट में सबसे कमजोर स्थिति में डाल देती है।यदि इस स्थिति की तुलना कोविड-19 के समय से की जाए, तो कई समानताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। उस समय भी अचानक लॉकडाउन और रोजगार की कमी के कारण लाखों मजदूर शहरों से गांवों की ओर लौटे थे। आज भी स्थिति कुछ वैसी ही बनती दिख रही है, फर्क केवल इतना है कि इस बार कारण वायरस नहीं, बल्कि ईंधन और महंगाई है। लेकिन परिणाम वही है— पलायन, असुरक्षा और अनिश्चितता।एम एस एम ई क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है और निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इस संकट से जूझ रहा है। यह क्षेत्र लगभग 24 करोड़ लोगों को रोजगार देता है, लेकिन इसके पास संकट से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। जब लागत बढ़ती है और मांग घटती है, तो सबसे पहले यही छोटे उद्योग प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि हजारों इकाइयां पहले ही बंद हो चुकी हैं और लाखों नौकरियां जा चुकी हैं।ऊर्जा संकट के साथ-साथ सप्लाई चेन में भी भारी बाधा आई है। निर्यात के लिए तैयार माल बंदरगाहों पर अटका हुआ है या समय पर नहीं पहुंच पा रहा। इससे कंपनियों को महंगे विकल्प जैसे एयर फ्रेट का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे लागत और बढ़ जाती है। दूसरी ओर, घरेलू बाजार में भी मांग में गिरावट आई है क्योंकि महंगाई के कारण उपभोक्ता खर्च कम कर रहे हैं । सरकार की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि सरकार ने आश्वासन दिया है कि आपूर्ति सामान्य हो रही है और कुछ कदम उठाए गए हैं, जैसे कि आधार के माध्यम से मजदूरों को गैस उपलब्ध कराने की योजना, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। उद्योग संगठनों का कहना है ।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है।

1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा।

खाद्य भू-राजनीतिः एशियाई व्यंजन कैसे सॉफ्ट पावर के जरिए सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा रहे हैं

मान्या रस्तोगी

दिल्ली, लंदन या न्यूयॉर्क जैसे किसी भी बड़े शहर में घूमिए — एक शांत परिवर्तन चल रहा है। सुपरमार्केट की शेल्फ़ पर कोरियाई रेमन के पैकेट सजे हैं, बबल टी चेन युवाओं के ठिकानों पर छाई हुई हैं, और सुशी अब सैंडविच जितनी आम हो चुकी है। यह केवल बदलते स्वाद नहीं हैं; यह वैश्विक शक्ति में गहरे बदलाव के संकेत हैं।

दशकों तक वैश्वीकरण को पश्चिमी विस्तार के नजरिए से समझा गया, जिसे जॉर्ज रिट्ज़र के 'मैकडोनल्डाइजेशन' के सिद्धांत में देखा गया—एक ऐसी व्यवस्था जो दक्षता, गणनात्मकता और एकरूपता पर आधारित है। लेकिन यह ढांचा अब धीरे-धीरे बदल रहा है। इसकी जगह एक ऐसा मॉडल उभर रहा है, जहां संस्कृति पश्चिमी मानकीकरण के जरिए नहीं, बल्कि कथाओं, पहचान और रोजमर्रा की खपत के माध्यम से फैलती है।

जोसफ नाय के अनुसार, 'सॉफ्ट पावर दूसरों की पसंद को आकार देने की क्षमता पर आधारित होती है' (नाय, 2004)। आज यह क्षमता केवल मीडिया या कूटनीति के माध्यम से ही नहीं, बल्कि एक और अधिक निजी चीज—

भोजन—के जरिए भी दिखाई दे रही है।

संस्कृति और व्यंजन की सॉफ्ट पावर

दक्षिण कोरिया का एक पाक शक्ति के रूप में उभार दिखाता है कि भोजन को सांस्कृतिक उत्पादन में किस तरह रणनीतिक रूप से शामिल किया जा सकता है। कोरियाई रेमन (राम्योन) का वैश्विक प्रसार फिल्मों जैसे 'पैरासाइट' और विश्वभर में स्ट्रीम होने वाले के-ड्रामा में इसकी मौजूदगी से जुड़ा है। यह संयोग नहीं है; यह एक व्यापक तंत्र का हिस्सा है जहां व्यंजन को कहानी कहने में पिरोया जाता है।

आंकड़े भी इस बदलाव को दर्शाते हैं। कोरियाई भोजन के प्रति वैश्विक पसंद 2017 में 42.7% से बढ़कर 2024 में 53.7% हो गई, जिसमें मीडिया की भूमिका प्रमुख रही। इसी तरह, महामारी के दौरान और उसके बाद कोरिया के इंस्टेंट नूडल्स के निर्यात ने रिकॉर्ड स्तर छुआ, जबकि 'फायर नूडल चैलेंज' (सैमयांग) डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया।

यहां एक मजबूत समन्वय दिखता है: कोरिया केवल भोजन का निर्यात नहीं करता, बल्कि दृश्यता के जरिए आकर्षण पैदा करता है। मानवविज्ञानी अर्जुन अप्पादुरई के अनुसार, 'वैश्वीकरण केवल एकरूपता नहीं, बल्कि भिन्नता के उत्पादन के बारे में भी है' (Modernity at Large, 1996)। कोरियाई व्यंजन इसलिए सफल हैं क्योंकि वे अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए भी आकर्षक बनते हैं।

बबल टी और एल्गोरिदमिक सॉफ्ट पावर

यदि कोरिया राज्य-मीडिया मॉडल का उदाहरण है, तो ताइवान की बबल टी एक अलग—प्लेटफॉर्म-आधारित सांस्कृतिक प्रसार को दर्शाती है। 1980 के दशक में ताइवान में शुरू हुई बबल टी आज एक वैश्विक ट्रेंड बन चुकी है, जहां केवल अमेरिका में ही इसका बाजार तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, खासकर युवाओं की मांग के चलते।

इसकी सफलता राज्य की नीतियों में नहीं, बल्कि डिजिटल संस्कृति के साथ इसकी अनुकूलता में है।

बोध कथा

यह समय भी बीत जायेगा

एक बार एक राजा की सेवा से प्रसन्न होकर एक साधू नें उसे एक ताबीज दिया और कहा की राजन इसे अपने गले मे डाल लो और जिंदगी में कभी ऐसी परिस्थिति आये की जब तुम्हें लगे की बस अब तो सब ख़तम होने वाला है, परेशानी के भंवर में अपने को फंसा पाओ, कोई प्रकाश की किरण नजर ना आ रही हो, हर तरफ निराशा और हताशा हो तब इस ताबीज को खोल कर इसमें रखे कागज़ को पढ़ना, उससे पहले नहीं! राजा ने वह ताबीज अपने गले में पहन लिया! एक बार राजा अपने सैनिकों के साथ शिकार करने घने जंगल मे गया! एक शेर का पीछा करते-करते राजा अपने सैनिकों से अलग हो गया और दुश्मन राजा की सीमा में प्रवेश कर गया, घना जंगल और शाम का समय, तभी कुछ दुश्मन सैनिकों के घोड़ों की टापों की आवाज राजा को आई और उसने भी अपने घोड़े को एड़ लगाई, राजा आगे-आगे दुश्मन सैनिक पीछे-पीछे! बहुत दूर तक भागने पर भी राजा उन सैनिकों से पीछा नहीं छुडा पाया! भूख- प्यास से बेहाल राजा को तभी घने पेड़ों के बीच में एक गुफा सी दिखी, उसने तुरंत स्वयं और घोड़े को उस गुफा की आड़ में छुपा लिया और सांस रोक कर बैठ गया, दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज धीरे-धीरे पास आने लगी! दुश्मनों से घिरे हुए अकेले राजा को अपना अंत नजर आने लगा, उसे लगा की बस कुछ ही क्षणों में दुश्मन उसे पकड़ कर मौत के घाट उतार देंगे! वो जिंदगी से निराश हो ही गया था कि उसका हाथ अपने ताबीज पर गया और उसे साधू की बात याद आ गई! उसने तुरंत ताबीज को खोल कर कागज को बाहर निकाला और पढ़ा! उस पर्ची पर लिखा था — 'यह समय भी बीत जाएगा' राजा को अचानक ही जैसे घोर अन्धकार में एक ज्योति की किरण दिखी, डूबते को जैसे कोई सहारा मिला! उसे अचानक अपनी आत्मा में एक अकथनीय शान्ति का अनुभव हुआ! उसे लगा की सचमुच यह बुरा समय भी कट हीजाएगा, फिर मे क्यों चिंतित होऊं! प्रभु और अपने पर विश्वासरख उसने स्वयं से कहा कि हाँ, यह भी समय कट जाएगा और हुआ भी यही, दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज पास आते-आते दूर जाने लगी।

कुछ समय बाद वहां शांति छा गई! राजा रात में गुफा से निकला और किसी तरह अपने राज्य में वापस आ गया!

व्यंग्य केसरी

विजुअल इवेंट या विवाह संस्कार

भारती यादव 'मेधा'

आज अखबार के पन्ने बड़े उद्योगपति के बेटे की भव्य शादी की ख़बरों और फोटो से पटे हुए थेद्य पढ़ते हुए मैं सोचने पर मजबूर हो गई कि वर्तमान में भारतीय समाज में शादी कोई साधारण संस्कार न होकर एक ऐसा महोत्सव बन चुकी है जिसमें दूल्हा-दुल्हन से ज़्यादा चर्चा सजावट, खाने के मेन्यू, डेस्टिनेशन और खर्च की होती है।

तभी मिस्टर और मिसेज जतिन अपनी बिटिया की शादी का न्यौता देने घर आए द्य दोनों को बेटी की शादी की बधाई देते हुए मैंने तैयारियों के बारे में पूछा द्य मिसेज जतिन ने हंसते हुए जवाब दिया हमें क्या तैयारियां करनी है बहनजी ,सब इवेंट वाला करेगा हमें तो बस पैसे देना है द्य कोई हमारे समय की शादी थोड़े है कि घर, परिवार, पड़ोस, मोहल्ला सब शादी के दिन तक तैयारियों के लिए हलाकान होते रहते थे द्य

फिर डिजाइनर सूटकेस नुमा बैग से मिसेज जतिन ने एक बुक नुमा आकृति के रूप में दूल्हा दुल्हन की फोटो लगा कार्ड दिया द्य बड़े प्रेम से हमने कार्ड लेते हुए मन में विचार किया कि इतना भारी, महंगा और सुंदर कार्ड फोटो सहित ही कुछ दिन में रद्दी में ही चला जाएगा लेकिन मिस्टर और मिसेज जतिन के लिए तो वह कार्ड स्टेटस सिम्बल था द्य

मिसेज जतिन ने गर्व से बताया कि अभी कपल प्री वेडिंग फोटो शूट के लिए गोवा गए हैं द्यहमने मन ही मन सोचा हमारे समय में कपल तो शादी के बाद होते थे पर ज़माना बदल चुका है द्यहमें अपना ज़माना याद आया जब शादी के बाद भी पति पत्नी को एक साथ फोटो खिंचवाने के लिए फोटोग्राफर द्वारा बार बार कहा जाता था कि थोड़ा और करीब आइए और कंधे पर हाथ रखिए ऐसी फोटो खिंचवाने का आपको लाइसेंस मिल चुका है अब तो दूल्हा-दुल्हन ऐसे पोज़ देते हैं जैसे किसी फ़िल्म का ट्रेलर रिलीज़ होने वाला हो।

कभी रेगिस्तान में, कभी पहाड़ों पर तो कभी विदेश मेंद्य मज़े की बात यह कि ये तस्वीरें शादी से पहले ही सोशल मीडिया पर डाल दी जाती हैं ताकि शादी के बाद कोई यह न कह सके कि अरे शादी तो साधारण थी। तभी मिस्टर जतिन की आवाज से मैं सोच के दायरे से बाहर निकली वे बता रहे थे बच्चों ने पहले डेस्टिनेशन मैरिज का तय कर लिया था द्य आप सपरिवार जरूर आईयेगा आशीर्वाद देने द्य मैं सोच रही थी सच है शादी का वेन्यू अब विवाह स्थल नहीं बल्कि डेस्टिनेशन होता है। जितना दूर, उतना बेहतर ताकि आधे रिश्तेदार खर्च और छुट्टी के डर से खुद-ब-खुद छन जाएँ। जो पहुँच जाए, वही सच्चा रिश्तेदार।

तभी मिसेज ने कहा अब चलते हैं कॉन्टिनेंटल, इटालियन, साउथ इंडियन आदि सभी तरह का खाना रखना है वही मेन्यू फाइनल करने आज केटरर आने वाला हैद्य मेरा मन कुछ दिन पहले हुई एक भव्य शादी में घूमने लगा जहां खाने के स्टॉल पर घूमने पर लगा कि शादी अब पेट भरने का नहीं बल्कि विभिन्न देसी विदेशी व्यंजनों को चखने का आयोजन है और कई प्लेट में आधा खाना छोड़ दिया जा रहा था ।

इतिहास

5 अप्रैल के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिसमें 1930 में महात्मा गांधी का दांडी में नमक बनाकर कानून तोड़ना, 1955 में विंस्टन चर्चिल का ब्रिटिश पीएम पद से इस्तीफा, और 1998 में जापान में दुनिया के सबसे लंबे सस्पेंशन ब्रिज (अकासी काइको) का खुलना शामिल है। 1930: महात्मा गांधी ने दांडी में नमक बनाकर ब्रिटिश कानून को चुनौती दी।1955: विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया। 1976: स्टीव जॉब्स और स्टीव वोजनियाक ने 'एप्पल कंप्यूटर' की स्थापना की। 1986: पश्चिमी बर्लिन के एक नाइट क्लब में बम विस्फोट में 3 लोगों की मौत हुई। 1998: जापान में दुनिया का सबसे लंबा सस्पेंशन ब्रिज, अकासी काइको, यातायात के लिए खोला गया। 2005: श्रीलंका में रत्नासिरी विक्रमनायके दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। 1916: प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता ग्रेगरी पेक का जन्म।

होर्मुज को लेकर खाड़ी देशों का 'विकल्पों' पर जोर, बायपास करने की योजना में आई तेजी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष चरम पर है। वर्तमान हालात काबू से बाहर हैं, और होर्मुज चोक प्वाइंट को लेकर फिक्र बढ़ गई है। खाड़ी देश इससे काफी परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज के विकल्प को लेकर योजना तैयार है! दरअसल, यह ऐसा अहम रास्ता है जिससे होकर रोज करीब 20 मिलियन बैरल तेल गुजरता है।

बढ़ते भूराजनीतिक जोखिम और हाल ही में जहाजों पर हुए हमलों ने पाइपलाइन और ओवरलैंड कॉरिडोर जैसे विकल्पों को लागू करने के लिए प्रेरित किया है।

फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब और यूनाइटेड अरब अमीरात जैसे देश पहले से ही मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके स्ट्रेट को थोड़ा बाईपास कर रहे हैं।

सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन, जिसे पेट्रोलाइन भी कहा जाता है, इस संकट के दौरान एक अहम संपत्ति के तौर पर उभरी है। किंगडम के पूर्वी तेल फील्ड से लाल सागर पोर्ट यानबू तक लगभग 1,200 किलोमीटर तक फैली इस पाइपलाइन की क्षमता लगभग 7 मिलियन बैरल प्रति दिन है और यह निर्यात प्रवाह बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रही है। यूएई भी अपनी अबू

धाबी क्रूड ऑयल पाइपलाइन का इस्तेमाल कर रहा है, जो ऑनशोर हबशान फील्ड को ओमान की खाड़ी में फुजैराह पोर्ट से जोड़ती है। हर दिन 1.8 मिलियन बैरल तक की कैपेसिटी वाली यह पाइपलाइन एक्सपोर्ट को होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करने में मदद करती है, हालांकि अभी इसका इस्तेमाल अपनी अधिकतम क्षमता से कम है।

विश्लेषकों ने बताया कि ये पाइपलाइन जरूरी ऑप्शन तो हैं, लेकिन ये गल्फ ऑयल शिपमेंट में किसी भी बड़ी रुकावट को थोड़ा ही ठीक कर सकती हैं।

इसके जवाब में, दोनों देश अपनी एक्सपोर्ट फ्लेक्सिबिलिटी (निर्यात में थोड़ी नरमी) बढ़ाने के लिए एक्सपेंशन प्लान देख रहे हैं। खबर है कि सऊदी अरब अपनी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने या और रूट बनाने पर विचार कर रहा है, साथ ही अपने लाल सागर तट पर नए एक्सपोर्ट टर्मिनल डेवलप कर रहा है, जिसमें बड़ा नियोम प्रोजेक्ट भी शामिल है।

इस बीच, यूएई अपनी बायपास क्षमता को और मजबूत करने के लिए फुजैराह तक दूसरी पाइपलाइन बनाने की संभावना देख रहा है। इन विकल्पों को मुश्किल क्रॉस-बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की तुलना में ज्यादा सही माना जा रहा है।

देश भर में विस्तारीकरण के अलावा, खाड़ी देश लंबे समय तक चलने वाली मजबूती को बेहतर बनाने के मकसद से बड़े रीजनल पाइपलाइन नेटवर्क पर भी विचार कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि पूरे इलाके में आपस में जुड़े कॉरिडोर का एक नेटवर्क अलग-अलग रूट की तुलना में ज्यादा सुरक्षा दे सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इंडस्ट्री के जानकारों ने कहा कि मौजूदा संकट ने ऐसे प्रोजेक्ट्स के बारे में सोचने पर मजबूर किया है।

देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं, शनिवार को 51 लाख से अधिक सिलेंडर्स की डिलीवरी हुई : केंद्र

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि 4 अप्रैल (शनिवार) को 51 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर्स की डिलीवरी हुई है और देश में किसी भी वितरक एजेंसी पर गैस की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मंत्रालय ने कहा कि कुल बुकिंग में ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर की हिस्सेदारी बढ़कर 95 प्रतिशत हो गई है।

वितरक स्तर पर हेराफेरी को रोकने के लिए, डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी 90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो कि मध्य पूर्व में तनाव से पहले फरवरी में 53 प्रतिशत की थी। साथ ही, मंत्रालय ने उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने और आवश्यक होने पर ही वितरकों के पास जाने की सलाह दी गई है।

मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को करीब 90,000 पांच किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर्स की बिक्री की गई है और 23 मार्च से अब तक 6.6 लाख एलपीजी सिलेंडर्स की बिक्री हो चुकी है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि पांच किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर वितरकों के पास मौजूद हैं और कोई वैध पहचान पत्र दिखाकर, इन्हें हासिल किया जा सकता है।

देश में पीएनजी को बढ़ावा दिया जा रहा है। मार्च से अब तक 3.9 लाख से अधिक पीएनजी के नए पंजीकरण हो चुके हैं और 3.6 लाख नए पीएनजी कनेक्शन को गैस की आपूर्ति दी गई है।

राज्यों को घरेलू और व्यावसायिक दोनों उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन की सुविधा प्रदान करने की सलाह दी गई है। मंत्रालय के अनुसार, सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है। बयान में कहा गया है कि घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है।

मार्केट आउटलुक : आरबीआई मौद्रिक नीति, अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की चाल से तय होगा शेयर बाजार का रुझान

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होगा। आरबीआई मौद्रिक नीति, अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की चाल से शेयर बाजार की दिशा तय होगी। ब्याज दरों की समीक्षा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति समिति (आरबीआई-एमपीसी) की बैठक 6-8 अप्रैल के बीच प्रस्तावित है। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम उच्चतम स्तर पर बने हुए हैं, जिससे महंगाई को लेकर दुनियाभर में चिंताएं बढ़ रही हैं। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध भी शेयर बाजार के लिए अगले हफ्ते एक अहम फैक्टर होगा, क्योंकि युद्ध का प्रभाव अब दुनिया की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दिखाई देने लगा है। ऐसे में इस युद्ध से जुड़े अपटेड आने वाले हफ्ते में शेयर बाजार के लिए अहम होंगे।

मौजूदा समय में कच्चा तेल 109 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। बीते एक महीने में इसमें 34 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में आने वाले हफ्ते में कच्चे तेल की चाल पर निवेशकों की निगाहें बनी रहेंगी।

बीते हफ्ते शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुआ था। इस दौरान सेंसेक्स 1,953.90 अंक या 2.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,319.55 और निफ्टी 593.35 अंक या 2.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,713 पर बंद हुआ। यह लगातार छठवां हफ्ता था, जब शेयर बाजार में गिरावट देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक (5.21 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (4.06 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (4.04 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (3.87 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (3.84 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (3.27 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (2.90 प्रतिशत) और निफ्टी रियल्टी (2.89 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे।

इस दौरान केवल निफ्टी आईटी (2.60 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (1.01 प्रतिशत) ही हरे निशान में बंद हुए।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 246.05 अंक या 1.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 15,650.50 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,654 अंक या 2.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,677.05 पर बंद हुआ।

लीबिया ने सार्वजनिक चिंताओं का हवाला देते हुए नए तेल सौदों पर रोक लगाई

त्रिपोली । लीबिया की राष्ट्रपति परिषद के प्रमुख मोहम्मद अल-मेनफी ने देश के पहले से विकसित तेल क्षेत्रों से संबंधित किसी भी नए सौदे को न करने का निर्देश दिया है।

लीबिया की राष्ट्रपति परिषद के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की कि राष्ट्रीय तेल निगम (एनओसी) के अध्यक्ष मसूद सुलैमान को दिए गए निर्देश के तहत देश के पहले से विकसित तेल क्षेत्रों से संबंधित सभी नए सौदों पर रोक लगाई गई है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अल-अहरार टीवी के हवाले से रिपोर्ट में बताया कि इसमें सभी प्रकार के समझौते, अनुबंधात्मक व्यवस्था और अन्य संबंधित लेनदेन शामिल हैं। मेनफी ने यह भी अनुरोध किया कि किसी भी पिछले सौदे की कानूनी, तकनीकी और आर्थिक प्रक्रियाओं और पृष्ठभूमि की तुरंत रिपोर्ट परिषद को भेजी जाए।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य लीबिया की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की सुरक्षा करना और उसके रणनीतिक तेल संसाधनों से

सर्वोत्तम लाभ सुनिश्चित करना है।

यह निर्णय प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद डेबैबाह के विवादास्पद तेल विकास समझौते को निलंबित करने के पिछले फैसले के बाद आया है, जिसे कथित रूप से अरबियन गल्फ ऑयल कंपनी के साथ किया गया था। इस फैसले का कारण पारदर्शिता पर बढ़ती चिंताएं और सार्वजनिक प्रतिक्रिया थी।

तेल और गैस निर्यात लीबिया का मुख्य राजस्व स्रोत हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन में बार-बार बाधाएं आई हैं, जो संघर्ष या राजनीतिक अस्थिरता के कारण हुई हैं।

इसी बीच, लीबिया के पोर्ट्स और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी ने घोषणा की कि क्षतिग्रस्त रूसी तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर को खींचने का प्रयास असफल रहा।

अथॉरिटी ने बयान में कहा कि 'गहरा दबाव और तेज़ हवाओं (40 नॉट) और 5 मीटर तक की लहरों के कारण टैंकर अब पूरी तरह से समुद्र में बेकार और नियंत्रण से बाहर है।

उन्होंने कहा, 'हम सभी जहाजों, समुद्री इकाइयों और संबंधित अधिकारियों को सूचित करते हैं कि खींचने का ऑपरेशन 2 अप्रैल को सुबह 4:00 बजे असफल हो गया। टैंकर अब नियंत्रण से बाहर है और टगबोट इस खतरनाक मौसम में इसे वापस लाकर पुनः जोड़ने में असमर्थ है।'

277 मीटर लंबे टैंकर 'आर्कटिक मेटागैस' में लगभग 62,000 मीट्रिक टन एलएन थी थी, जब यह 3 मार्च को लीबिया और माल्टा के बीच पानी में डूब गया, जैसा कि लीबियाई न्यूज़ एजेंसी की एक नौवहन सर्कुलर में बताया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 487 किलोमीटर रूट के लिए कवच क्षेत्र परीक्षण पूरा किया

हैदराबाद । दक्षिण मध्य रेलवे ने 2025-26 के दौरान 487 किलोमीटर रूट के लिए कवच क्षेत्र परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक है।

कवच स्वदेशी रूप से विकसित एक सुरक्षा प्रणाली है, जिसे मानवीय त्रुटि के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

यह किसी खतरे के सिग्नल को पार करने वाली ट्रेन के लिए स्वचालित रूप से ब्रेक लगा सकता है और स्पीड एवं सिग्नल की लगातार निगरानी करके सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने में मदद करता है। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने रविवार को कहा कि उसने सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर विशेष जोर दिया है और इस दिशा में पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान एससीआर नेटवर्क में कवच 4.0 की स्थापना के लिए कदम उठाए गए। जोन ने रेलवे बोर्ड के 402 रूट किलोमीटर के लक्ष्य को पार करते हुए 487 रूट किलोमीटर की दूरी के लिए फील्ड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

एससीआर ने एक बयान में कहा कि सावधानीपूर्वक योजना और प्रभावी कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप यह शानदार उपलब्धि हासिल हुई है।

जोन ने ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम भी शुरू कर दिया है, जिससे पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 357 किलोमीटर के लक्ष्य के मुकाबले 479 रूट किलोमीटर (आरकेएम) की दूरी के लिए सेक्शन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है।

कवच 4.0 इंस्टॉलेशन का फील्ड परीक्षण काजीपेट पेद्दामपेट (101 मार्ग किमी), मल्काजगिरि कामारेड्डी (106 मार्ग किमी), चारलापल्ली रघुनाथपल्ली (79 मार्ग किमी), गुंतकल रायचूर (120 मार्ग किमी), और मुदखेड परभणी (81) के बीच खंडों में आयोजित किया गया था।

खाड़ी देशों से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में हो रहा इजाफाः केंद्र

नई दिल्ली। खाड़ी देशों से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और यूएई, सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट्स से विमान देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भर रहे हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

सरकार ने बताया कि रविवार को 90 नॉन-शेड्यूल उड़ानें यूएई से भारत आने की उम्मीद है। सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट से विमान भारत आ रहे हैं। कतर एयरस्पेस आंशिक रूप से खुला हुआ और करीब 8-10 उड़ानें भारत आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि कुवैत और बहरीन का एयरस्पेस बंद होने के बावजूद,

दम्माम (सऊदी अरब) होते हुए भारत के लिए उड़ानें संचालित हो रही हैं। ईरान से यात्रा आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते संचालित की जा रही हैं।

इसी प्रकार, इजरायल से भारत की यात्रा मिस्र और जॉर्डन के रास्ते सुगम बनाई जा रही है, जबकि इराक से भारत की यात्रा जॉर्डन और सऊदी अरब के रास्ते की जा रही है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि ओमान के तट पर एक जहाज पर हुए हमले में जान गंवाने वाले एक भारतीय नाविक का पार्थिव शरीर भारत वापस लाया गया है और शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास और भारतीय समुदाय लगातार संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा के लिए सहायता प्रदान करने और आवश्यक सलाह जारी करने का कार्य जारी रखे हुए हैं।

ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरे शनिवार को स्वदेश लौट आए। तेहरान स्थित दूतावास ने उन्हें दक्षिण ईरान से आर्मेनिया तक पहुंचाने में सहायता की, जहां से उन्होंने चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में लगातार विकसित हो रही स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, और एक समर्पित नियंत्रण कक्ष के जरिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों तथा भारतीय दूतावासों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखा जा रहा है। भारतीय दूतावास और दूतावास चौबीसों घंटे हेल्पलाइन सेवा प्रदान कर रहे हैं, सलाह जारी कर रहे हैं ।

मार्च में आईपीओ फाइलिंग बढ़ी, 38 कंपनियों ने सेबी के पास जमा कराए ड्राफ्ट पेपर

मुंबई। भारत के आईपीओ मार्केट में मार्च 2026 में गतिविधियों में बढ़त देखने को मिली है और 38 कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआपएचपी) जमा कराएं हैं।

बीते साल मार्च में 22 कंपनियों ने, जबकि मार्च 2024 में 16 कंपनियों ने आईपीओ लाने के लिए डीआरएचपी जमा कराई थी।

बाजार के जानकारों का मानना ??है कि अधिक मात्रा में डीआरएचपी का आना कंपनियों का बढ़ता आत्मविश्वास और नियामक अनुमोदन की समयसीमा के अनुरूप रणनीतिक रूप से दाखिल किए गए दस्तावेजों का सही समय पर प्रस्तुत करना है। आने वाले

हफ्तों में भी यह गति जारी रहने की उम्मीद है, क्योंकि कई कंपनियां अपने ड्राफ्ट पेपर जमा करने की तैयारी कर रही हैं। मार्च में डीआरएचपी दाखिल करने वाली 38 कंपनियों में से नौ कंपनियों ने गोपनीय तरीके से दस्तावेज दाखिल करने का विकल्प चुना। एक्सिस कैपिटल ने एक रिपोर्ट में आईपीओ पाइपलाइन के बारे में बताते हुए कहा कि 64 कंपनियां वर्तमान में सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जबकि 124 कंपनियों को नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन उन्होंने अभी तक अपने आईपीओ लॉन्च नहीं किए हैं।

इसके अतिरिक्त, मार्च 2025 से अब तक 20 कंपनियों ने गोपनीय डीआरएचपी फाइलिंग का विकल्प चुना है।पिछले वित्तीय वर्ष में आईपीओ का व्यापक परिदृश्य सक्रिय रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 109 मेनबोर्ड आईपीओ लॉन्च किए गए, जिनमें से 69 अपने निर्गम मूल्य से ऊपर सूचीबद्ध हुए।

हालांकि, 31 मार्च 2026 तक, इनमें से तीन कंपनियां अभी तक स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध नहीं हुई थीं। 2026 में अब तक 18 कंपनियों ने आईपीओ लॉन्च किए हैं, अस्थिर परिस्थितियों और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद इसमें से आठ ऑफरिंग मार्च में ही बाजार में आए।

विशेषज्ञों का मानना ??है कि हालांकि नियामकीय समयसीमाएं अकसर वित्तीय वर्ष के अंत में फाइलिंग पैटर्न को प्रभावित करती हैं, लेकिन यह मौजूदा उछाल का एकमात्र कारण यही नहीं है।

यह पाइपलाइन में शामिल होने वाली कंपनियों की बेहतर होती गुणवत्ता, प्राथमिक बाजार में मजबूत होते सेंटिमेंट का संकेत देती है।

होर्मुज की टेंशन खत्म! क्रूड ऑयल की नहीं होगी कोई कमी, भारत का साथ निभा रहा थार रेगिस्तान

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच आज युद्ध का 37वां दिन है। मिडिल ईस्ट में छिड़े इस युद्ध की वजह से वैश्विक ऊर्जा संकट पर गहरा असर पड़ा है। दुनियाभर में तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई है।

ईरान ने अमेरिका और इजरायल से लड़ाई के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता बंद कर दिया है। इस जलमार्ग से होकर दुनियाभर का करीब 20 फीसद तेल गुजरता है। ईरान की पाबंदियों की वजह से तेल और गैस की सप्लाई पर असर पड़ा है।

ईरान इस जलमार्ग से भारतीय जहाजों को निकलने दे रहा है। लेकिन युद्ध की वजह से जहाजों के भारत तक पहुंचने में समय लग रहा है। लेकिन भारत ने इस तेल संकट से निकलने का रास्ता भी ढूंढ लिया है। भारत का थार रेगिस्तान इस युद्ध में भारत के लिए रामबाण का काम कर रहा है।

भारत की ताकत बना थार रेगिस्तान

गैस संकट का असर केवल भारत पर ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका से लेकर ब्रिटेन और वियतनाम भी देखने को मिल रहा है। दुनियाभर के कई देश तेल की कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन ऐसे समय में भारत की ताकत के तौर पर 'थार रेगिस्तान (Thar Desert)' सामने आ रहा है।

भारत के राजस्थान राज्य में मौजूद थार रेगिस्तान के ऑयल फील्ड से कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाया गया है। वेस्ट एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (Oil India Limited) ने कच्चे तेल के उत्पादन में भारी इजाफा किया है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जोधपुर बलुआ पत्थर संरचना से जहां पहले एक दिन में 705 बैरल क्रूड ऑयल का प्रोडक्शन हो रहा है, वहीं मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध के बीच 1,202 बैरल क्रूड ऑयल प्रतिदिन निकाला जा रहा है।

देखा जाए तो भारत में ऊर्जा संकट के बीच ऑयल इंडिया ने क्रूड ऑयल के प्रोडक्शन को करीब 70 फीसद तक बढ़ा दिया है।

गुजरात की ऑयल रिफाइनरी में जाता है कच्चा तेल

ऑयल इंडिया लिमिटेड इस कच्चे तेल को जेसलमेर के बाघेवाला तेल क्षेत्र से गुजरात के मेहसाणा में स्थित ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ONGC) प्लांट्स में पहुंचाती है। इसके बाद कच्चे तेल को पाइपलाइन के जरिए कोयली रिफाइनरी तक भेजा जाता है।

ऑयल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 32,787 मीट्रिक टन कच्चे तेल का उत्पादन किया था, वहीं इस वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 43,773 मीट्रिक टन तेल का उत्पादन किया है।

1991 में हुई तेल उत्पादन की शुरुआत

भारत मुख्य रूप से तेल और बाकी ईंधनों के लिए भी दूसरे देशों पर निर्भर है। लेकिन कुछ मात्रा में राजस्थान में भी तेल का उत्पादन होता है। बीकानेर-नागौर उप-बेसिन में स्थित बाघेवाला ऑयल फील्ड भारत के लिए एक अहम ऊर्जा स्त्रोत है, जिसकी खोज 1991 में हुई थी। ऑयल इंडिया ने इस फील्ड में 19 कुओं में ष्ट्स्स् का संचालन पूरा किया, जो कि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 72 फीसद ज्यादा है। ऑयल इंडिया ने पहली बार 2018 में ष्ट्स्स् तकनीक का परीक्षण किया था, जिससे बड़े पैमाने पर तेल निकालना संभव हो पाया। थार रेगिस्तान में स्थित ये ऑयल फील्ड 200.26 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां जमीन के नीचे से तेल निकालने के लिए 52 कुएं हैं, जिनमें से 33 का इस्तेमाल इस समय ऑयल प्रोडक्शन में हो रहा है। इसके अलावा कंपनी ने 13 नए कुएं भी खोदे हैं।

तेल संकट के बीच इस ऑयल फील्ड में प्रोडक्शन को बढ़ा दिया गया है। यहां के कच्चे तेल में चिपचिपाहट ज्यादा होती है, जिससे कच्चे तेल के प्रोडक्शन के लिए डाइल्यूएंट इंजेक्शन और आर्टिफिशियल लिफ्ट सिस्टम जैसी टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाता है। इन नई टेक्नोलॉजी ने ऑयल प्रोडक्शन की प्रक्रिया को आसान बनाया है।

सरकार ने बताया THAR प्लान

भारत सरकार इस तेल संकट के बीच लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील कर रही है। सरकार, ईरान के साथ बात करके ज्यादा से ज्यादा तेल से लदे जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए भारत लाने की कोशिश कर रही है।वेस्ट एशिया के युद्ध को देखते हुए भारत सरकार ने देश में क्रूड ऑयल का प्रोडक्शन बढ़ा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का कहना कि सरकार आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है।सरकार ने बताया कि रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। भारत के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और पेट्रोल पंपों पर भी पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति है।भारत सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि थार रेगिस्तान क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण भूवैज्ञानिक परिस्थितियों को देखते हुए तेल उत्पादन में इजाफा करना भारत की बड़ी उपलब्धि है, जो भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है।

क्या महाकाल स्टैंडर्ड टाइम जीएमटी की जगह लेगा? उज्जैन को प्राइम मेरिडियन बनाने का प्रस्ताव क्या है? महाकाल स्टैंडर्ड टाइम (MST)

एक प्रस्तावित वैश्विक समय मानक है जिसका उद्देश्य मध्य प्रदेश के उज्जैन को दुनिया का मुख्य मध्याह्न रेखा यानी प्राइम मेरिडियन बनाकर ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) की जगह लेना है। अप्रैल 2026 में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा प्रस्तावित यह प्रणाली तर्क देती है कि उज्जैन वैज्ञानिक और ऐतिहासिक रूप से समय का सटीक केंद्र है।

जीएमटी को एमएसटी से बदलने की मांग कई ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक तर्कों पर आधारित है। समर्थकों का कहना है कि औपनिवेशिक युग से बहुत पहले उज्जैन खगोल विज्ञान और समय गणना का एक वैश्विक केंद्र था। समाचार रिपोर्टों के अनुसार सूर्य सिद्धांत जैसे प्राचीन ग्रंथ समय की जटिल गणना प्रदान करते हैं जिसके बारे में समर्थकों का दावा है कि वे आधुनिक जीएमटी की तुलना में अधिक सटीक हैं। उज्जैन कर्क रेखा और भारत के प्राचीन शून्य मध्याह्न के मिलन बिंदु पर स्थित है। रिपोर्टों के अनुसार विशेषज्ञों का तर्क है कि यह इसे वैश्विक समय गणना के लिए एक तार्किक और प्राकृतिक बिंदु बनाता है। समर्थक जीएमटी को ब्रिटिश शासकों द्वारा थोपी गई एक औपनिवेशिक युग की संरचना के रूप में देखते हैं। एमएसटी में बदलाव को पुरानी मानसिकता को त्यागने और वैश्विक मंच पर भारत के वैज्ञानिक गौरव को फिर से स्थापित करने के तरीके के रूप में देखा जाता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित राज्य के अधिकारियों का कहना है कि सूर्योदय, सूर्यास्त और ग्रहों की गतिविधियों पर आधारित भारतीय समय मापन प्रणाली वर्तमान जीएमटी प्रणाली की तुलना में पृथ्वी के घूर्णन के साथ अधिक तालमेल में है। समर्थकों का यह भी दावा है कि आधुनिक एआई और गणना उपकरण भी उज्जैन के ऐतिहासिक क्षेत्र को वैश्विक समय गणना के मूल केंद्र के रूप में स्वीकार करते हैं।

यह प्रस्ताव उज्जैन में आयोजित 'महाकाल: समय के स्वामी' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पेश किया गया था। हालांकि इसे स्थानीय सरकार और कुछ आध्यात्मिक नेताओं का समर्थन मिला है, लेकिन इसने वैश्विक रूप से जुड़ी दुनिया में इसकी व्यावहारिकता को लेकर विपक्षी नेताओं के बीच बहस भी छेड़ दी है। महाकाल स्टैंडर्ड टाइम एक प्रस्तावित वैकल्पिक समय प्रणाली है जो सुझाव देती है कि भारत उज्जैन को केंद्र मानकर एक वैश्विक संदर्भ समय अपनाए। ऐतिहासिक रूप से उज्जैन को प्राचीन भारत में समय और खगोल विज्ञान के लिए एक केंद्रीय संदर्भ माना जाता था और इसका नाम महाकाल से लिया गया है।

फ्रिज में रखने के बाद भी सड़ने लगती है धनिया और मिर्च? ऐसे करेंगे स्टोर तो लंबे समय तक नहीं होगी खराब

अगर फ्रिज में रखने के बाद भी धनिया और मिर्च जल्दी खराब हो जाती हैं, तो समझ लीजिए कि स्टोर करने का तरीका सही नहीं है। हल्की सी नमी या गलत पैकिंग की वजह से ये जल्दी सड़ने लगती हैं और उनका फ्रेशनेस खत्म हो जाता है। लेकिन अगर आप कुछ आसान ट्रिक्स अपनाएं, तो धनिया और मिर्च को लंबे समय तक ताजा और हरा-भरा रखा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं क्या है सही स्टोरेज का तरीका।

धनिया को स्टोर करने के उपाय:

धनिया को धोकर सुखाएं: हरे धनिये को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए, उसकी खराब पत्तियां हटाकर जड़ों को काट लें। इसे पानी में हल्का नमक डालकर धोएं ताकि गंदगी निकल जाए, फिर अतिरिक्त पानी सुखाकर किसी टिश्यू पेपर या अख़बार में लपेटकर एयरटाइट कंटेनर या बैग में फ्रिज में रखें।

पानी वाला जार का करें इस्तेमाल: धनिया को कांच के जार में थोड़ा पानी भरकर उसमें खड़ा रखना और ऊपर से पॉलीथिन कवर करना, धनिये को 1-2 हफ्ते तक ताज़ा बनाए रखने का एक बहुत ही प्रभावी तरीका है।

हरी मिर्च को स्टोर करने के उपाय

डंठल हटाएं: हरी मिर्च को 15-20 दिनों तक ताजा रखने के लिए, उनके डंठल को तोड़ दे, क्योंकि सड़न वहीं से शुरू होती है। डंठल हटाने से सड़ने की संभावना 80% तक कम हो जाती है। एक एयरटाइट कंटेनर या प्लास्टिक बैग में नीचे टिशू पेपर या अखबार बिछाकर मिर्च रखें, फिर ऊपर से एक और टिशू पेपर से ढककर फ्रिज में रखें। इससे नमी सोख ली जाती है और मिर्च सड़ती नहीं है।

जिप लॉक बैग: हरी मिर्च को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए सूती कपड़े का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।इसे सूती कपड़े में लपेटकर या जिप लॉक बैग में रखकर फ्रिज में रखने से वे 20-25 दिनों तक खराब नहीं होतीं।

धनिया और मिर्च स्टोर करते समय इन बातों का रखें ध्यान:

धनिया और मिर्च को हमेशा फ्रिज के निचले हिस्से या वेजिटेबल ड्रॉअर में रखें, न कि फ्रीजर के पास। प्लास्टिक बैग में सीधे न रखें, इससे नमी से वे जल्दी खराब होते हैं। समय-समय पर चेक करते रहें कि कोई पत्ता या मिर्च गल तो नहीं रही है, खराब चीज को तुरंत हटा दें।

वात प्रकृति वाले के लिए चावल का सेवन वरदान या नुकसान, जानें क्या कहता है आयुर्वेद

नई दिल्ली। मनुष्य का शरीर प्रवृत्ति पर आधारित होता है और उसी के आधार पर अगर जीवनशैली और आहार को चुना जाए तो आधी बीमारियों का अंत तय है।

हालांकि आज के समय में शरीर की प्रवृत्ति के अनुसार आहार लेना मुश्किल है। यही कारण है कि गलत खान-पान की वजह से शरीर में रुखापन, पाचन अग्नि मंद और मधुमेह से लेकर थायराइड हर घर की समस्या बनती जा रही है, विशेषकर वात प्रवृत्ति वालों के लिए। ऐसे में यह जान लेना ज्यादा जरूरी है कि वात प्रवृत्ति के लोगों को चावल का सेवन करना चाहिए या फिर नहीं।

आयुर्वेद के अनुसार, वात दोष का स्वभाव हल्का, ठंडा और रूखापन देने वाला होता है, जबकि चावल का स्वभाव स्वाद में मीठा, ठंडा और पाचन में आसान होता है। ऐसे में अगर कुछ नियमों के साथ चावल का सेवन किया जाए तो यह वात को शांत करने में मदद करेगा। अब सवाल है कि वात प्रवृत्ति वाले लोगों को चावल का सेवन कैसे करना चाहिए। इसके लिए 1 साल पुराना चावल खाएं, क्योंकि चावल जितना पुराना होता है, उतना ही गुणों से भरपूर होता है।

इसके साथ ही हमेशा गर्म और ताजा चावल ही खाएं। फ्रिज में रखा ठंडा और पुराना चावल वात को बढ़ा सकता है और पाचन की समस्या पैदा कर सकता है। चावल का सेवन हमेशा घी के साथ करें। घी चिकनाई से भरा होता है और वात को शांत कर शरीर के रुखेपन को शांत करने में मदद करता है।

ध्यान रखने वाली बात यह भी है कि चावल का सेवन हमेशा दोपहर के वक्त लंच में ही करें। इस वक्त पाचन अग्नि तेज होती है और तरह का खाना पचाने में समर्थ होती है। वात प्रवृत्ति वालों को चावल के साथ दही का सेवन करने से बचना चाहिए। इससे शरीर में वात का असंतुलन पैदा होता है। कोशिश करें कि चावल को मूंग की दाल और एक चम्मच घी के साथ खाएं। इससे चावल और शरीर का शुष्कपन कम होगा।

इसके अलावा, वात प्रवृत्ति वालों को रात के समय चावल खाने से परहेज करना चाहिए। रात के समय चावल का सेवन कफ और वात दोनों को असंतुलित कर सकता है।

डायबिटीज और मोटापे से बचाव में हथियार बनेगी फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग? जानें फूड लेबल पढ़ने का सही तरीका

भारत इस समय एक गंभीर स्वास्थ्य संकट के मुहाने पर खड़ा है। जहां एक ओर हम आर्थिक प्रगति कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डायबिटीज और मोटापे जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां महामारी का रूप ले रही हैं। लांसेट के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज के साथ जी रहे हैं और मोटापे की दर पिछले 15 वर्षों में दोगुनी हो गई है। ऐसे में फास्ट फूड्स और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स पर फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग (FOPL) एक अच्छी पहल नजर आ रही है। बीमारियों के बढ़ते आंकड़े देखते हुए यह एक जरूरत बन गई है।

हालांकि, इसे लेकर फूड इंडस्ट्री और हेल्थ एक्सपर्ट्स के बीच बहस छिड़ गई है। फूड कंपनियों का कहना है कि यह मॉडल भारत में काम नहीं करेगा। ऐसे में आइए समझते हैं फूड लेबलिंग क्यों जरूरी है, कैसे आप सही तरीके से लेबल पढ़ सकते हैं और बीमारियों से बचाव में यह कैसे मददगार साबित हो सकता है।

लेबलिंग क्यों जरूरी है?

फिलहाल ज्यादातर फूड आइटम्स के पीछे बारीक अक्षरों में पोषण से जुड़ी जानकारी दी होती है। एक सामान्य ग्राहक के लिए कार्बोहाइड्रेट, सैचुरेटेड फैट या सोडियम की मात्रा को समझना और उसका हिसाब करना नामुमकिन होता है। ऐसे में लेबलिंग के जरिए उपभोक्ता यह समझ सकता है कि वह असल में खा क्या रहा है और कितनी मात्रा में खा रहा है।

फूड आइटम में छिपी हुई चीनी और सोडियम की ज्यादा मात्रा के खतरों के बारे में भी लेबलिंग के जरिए उपभोक्ता सचेत हो सकता है। साथ ही, यह फूड कंपनियों को अपने प्रोडक्ट को ज्यादा हेल्दी बनाने और स्वास्थ्य मानकों को फॉलो करने के लिए मजबूर करता है। फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग के क्या फायदे हो सकते हैं?

फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग का मतलब है कि पोषण से जुड़ी जानकारी को पैकेजिंग के पिछले हिस्से की जगह आगे छापा जाए। इसके फायदे ऐसे हो सकते हैं-

मोटापे और डायबिटीज के खिलाफ एक हथियार

भारत में 2030 तक लगभग 2.7 करोड़ बच्चों के मोटापे का शिकार होने की आशंका है। ऐसे में लेबलिंग देखकर माता-पिता बच्चों के लिए स्नैक्स चुनते समय ज्यादा सतर्क रहेंगे। ज्यादा स्टार या ग्रीन लेबल वाले उत्पादों की मांग बढ़ेगी।

आंकड़ों के मुताबिक भारत में 15.3% आबादी प्री-डायबिटिक है। अगर ये लोग समय रहते अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स में मौजूद हाई शुगर और कार्बस् को पहचान लें, तो वे बीमारी को टाल सकते हैं।

फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग से जुड़ी चुनौतियां

हालांकि फूड इंडस्ट्री का तर्क है कि भारत की विविध खान-पान की आदतों के कारण यह लेबलिंग मॉडल यहां ठीक नहीं बैठेंगे, लेकिन बीमारियों से बचाव के लिए खान-पान की चीजों पर ज्यादा आसानी से समझ आने वाली और क्लीयर लेबलिंग बेहद आज के समय की जरूरत बन गई है।

ईरान युद्ध में अमेरिका 50 साल पुराने जेट विमानों का उपयोग क्यों कर रहा है और घातक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल 'बॉम्ब ट्रक्स' क्या हैं

28 फरवरी से शुरू हुए ईरान संघर्ष के दौरान एफ-15ई अमेरिका के गहरे हमले वाले मिशनों के लिए एक प्राथमिक संपत्ति रही है। 3 अप्रैल को दक्षिण-पश्चिम ईरान में एक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल को मार गिराया गया जो पिछले 20 से अधिक वर्षों में पहली बार किसी अमेरिकी लड़ाकू जेट के दुश्मन की आग में नष्ट होने की घटना है। यह सवाल महत्वपूर्ण है कि अमेरिका इस युद्ध में 50 साल पुराने एफ-15 का उपयोग क्यों जारी रखे हुए है। एफ-15ई स्ट्राइक ईगल एक दोहरी भूमिका वाला लड़ाकू विमान है जिसे मैकडॉनेल डगलस द्वारा हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मूल एफ-15 का एक आधुनिक और गहरे हमले वाला संस्करण है जो दुश्मन की रेखाओं के पीछे उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों को हिट करने के लिए विशेष रूप से अनुकूलित है। इसे 1988 में पेश किया गया था और इसने ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म और ऑपरेशन इराकी फ्रीडम जैसे प्रमुख संघर्षों में व्यापक रूप से काम किया है।

हालांकि इसका मूल डिजाइन 1970 के दशक का है लेकिन अमेरिका इसका उपयोग जारी रखता है क्योंकि यह दुनिया के सबसे सक्षम 'बॉम्ब ट्रक्स' में से एक है। यह पेलोड क्षमता, रेंज और मिशन प्रबंधन में एफ-35 जैसे पांचवीं पीढ़ी के

स्टील्थ लड़ाकू विमानों की कमियों को पूरा करता है। एफ-15ई एक लड़ाकू विमान के शरीर में भारी बमवर्षक की तरह है जो 10,400 किलोग्राम से अधिक हथियार ले जा सकता है जो एफ-35 की तुलना में लगभग दोगुना है। जुड़वां प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों द्वारा संचालित यह विमान मैक 2.5 से अधिक की गति तक पहुंच सकता है। इसके कॉन्फॉर्मल ईंधन टैंक इसे हथियारों की जगह कम किए बिना दुश्मन के इलाके में गहराई तक जाने और वहां लंबे समय तक बने रहने की अनुमति देते हैं।

आधुनिक एकल-सीट वाले लड़ाकू विमानों के विपरीत एफ-15ई में एक पायलट और एक हथियार प्रणाली अधिकारी (S होता है। यह श्रम विभाजन जटिल हमलों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डब्लूएसओ उन्नत सेंसर और लक्ष्य निर्धारण का प्रबंधन करता है जबकि पायलट उड़ान और खतरों पर ध्यान केंद्रित करता है। आज उपयोग किए जा रहे विमान दशकों पुराने मॉडल जैसे नहीं हैं क्योंकि उनमें एएन/एपीजी-82(वी)1 एईएसए रडार और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध सुइट ईपीएडब्ल्यूएसएस जैसे आधुनिक सुधार किए गए हैं। एफ-15ई का दशकों की सेवा में हवा से हवा में युद्ध में कोई नुकसान न होने का बेजोड़ रिकॉर्ड है। अमेरिकी वायु सेना इसे कम से कम 2030 के दशक तक सेवा में रखने की योजना बना रही है जिसके बाद इसे और भी उन्नत एफ-15ईएक्स ईगल II में बदला जाएगा। 3 अप्रैल को ईरानी वायु रक्षा द्वारा एक एफ-15ई को मार गिराए जाने के बाद पायलट और हथियार प्रणाली अधिकारी दोनों विमान से सुरक्षित बाहर निकल गए थे। एक बड़ा और उच्च जोखिम वाला खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया जिसमें पायलट को शुक्रवार को बचाया गया जबकि कर्नल रैंक के डब्लूएसओ को 5 अप्रैल को पहाड़ों की एक दरार में छिपकर पकड़े जाने से बचने के बाद बचाया गया।

रश्मिका मंदाना के बर्थडे पर विजय देवरकोंडा ने शेयर की 'राणाबाली' की अनसीन वीडियो, दिखा 'जयाम्मा' का प्यारा लुक

मुंबई । फरवरी में उदयपुर में शादी करने के बाद से ही लगातार अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया के क्यूट कपल बने हुए हैं।

दोनों अपनी शादी की झलकियां शेयर करते रहते हैं। आज का दिन कपल के लिए बहुत खास है क्योंकि रश्मिका मंदाना का जन्मदिन है। ऐसे में विजय ने बहुत प्यारे तरीके से रश्मिका को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने फिल्म 'राणाबाली' से रश्मिका के लुक की इनसाइड वीडियो पोस्ट की है।

विजय देवरकोंडा ने फिल्म 'राणाबाली' से एक वीडियो शेयर किया है जिसमें रश्मिका के जयाम्मा लुक की मेकिंग दिखाई गई है। रश्मिका पूरी टीम के साथ मिलकर लुक के लिए एक्सपेरिमेंट कर रही है और 80 के दशक के पहले के लुक को अपनाने की कोशिश कर रही है। अभिनेत्री बिंदी से लेकर हेयरस्टाइल को खूबसूरत बनाने की कोशिश कर रही है और हर एक छोटी चीज का ध्यान रख रही है। यही कारण है कि 'राणाबाली' में रश्मिका का लुक बेहतरीन निकलकर आया है।

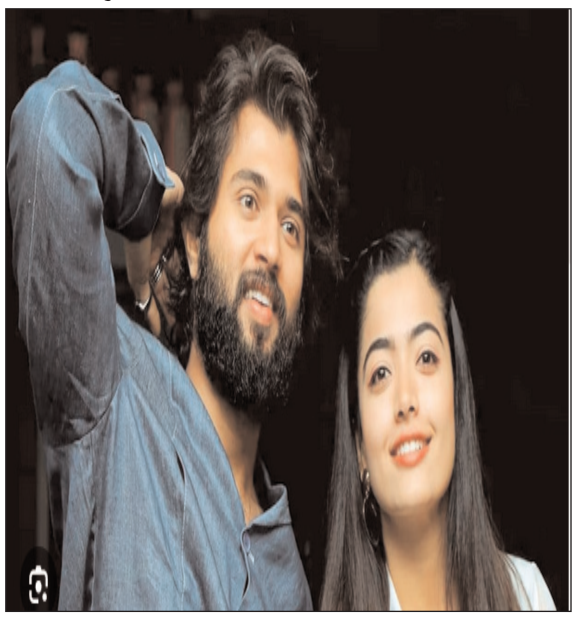

वीडियो में विजय और रश्मिका का रोमांस भी दिखाया गया है, जो फिल्म का हिस्सा है। मेकिंग वीडियो वाकई शानदार हैं और फैंस भी अभिनेत्री को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। बता दें कि 'राणाबली' का निर्देशन राहुल सांकृत्यायन कर रहे हैं और पहले भी वह फिल्म को लेकर कई खुलासे कर चुके हैं। उन्होंने फिल्म के पोस्टर रिलीज के समय बताया था कि वह फिल्म में 1800 ईस्वी के उत्तरार्ध के समय को जिंदा करना चाहते हैं, जब किसी भी जोड़े की शादी होना ग्लैमरस नहीं था। वह वक्त कठोर और जीवन-यापन की गहराई से जुड़ा होता है।

उन्होंने बताया था कि वह अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को देखकर समय में पीछे चले गए थे क्योंकि वे दोनों जिस तरीके से तैयार हुए थे, ऐसा लग रहा था कि बीता समय सामने खड़ा है।

चेहरे पर वही भाव और बॉडी लैंग्वेज ने दिल को खुश कर दिया था। 'राणाबली' का अभी तक पोस्टर ही सामने आया है लेकिन मेकर्स जल्द ही ट्रेलर और टीजर भी रिलीज करने वाले हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पेरिमेनोपॉज की समस्याओं से ऐसे राहत पाती हैं सोहा अली, बताया कैसे बनाएं हेल्दी ड्रिंक

मुंबई। अभिनेत्री सोहा अली खान अक्सर हेल्थ के लिए कारगर नेचुरल टिप्स प्रशंसकों के साथ शेयर करती रहती हैं। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने न केवल पेरिमेनोपॉज जैसी समस्या पर बात की बल्कि इससे संबंधित समस्याओं से निपटने में कारगर हेल्दी ड्रिंक की रेसिपी भी बताई। मेनोपॉज से पहले के समय की मुश्किलों पर बात करते हुए सोहा ने बताया कि वह दिन की शुरुआत कैसे करती हैं।

सोहा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह पहले कॉफी के बिना सुबह नहीं उठ सकती थीं, लेकिन पेरिमेनोपॉज के बाद खाली पेट कॉफी पीने से परेशानी होने लगी। अब उन्होंने कॉफी की जगह एक साधारण और हेल्दी ड्रिंक शुरू कर दी है, जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ है। सोहा ने बताया कि पेरिमेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव, खासकर एस्ट्रोजन के उतार-चढ़ाव से एसिडिटी, पेट फूलना और कैफीन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

उन्होंने गर्म पानी, नींबू, अदरक, चिया सीड्स और हल्दी वाले ड्रिंक का सेवन शुरू किया। इस ड्रिंक ने उनकी दिन की शुरुआत को बहुत आसान और संतुलित बना दिया है। सोहा ने बताया यह ड्रिंक शरीर को अच्छे से हाइड्रेट करती है, पाचन सुधारती है, पेट फूलने की समस्या कम करती है और पूरे दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है। सोहा इस ड्रिंक में एक चुटकी हल्दी भी मिलाती हैं, जिसमें करक्यूमिन होता है। हल्दी सूजन कम करने और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। यह जोड़ों की अकड़न और सूजन में भी राहत दे सकती है, जो पेरिमेनोपॉज के दौरान कई महिलाओं को परेशान करती है। काली मिर्च के साथ हल्दी लेने से इसका अवशोषण बेहतर हो जाता है।

सोहा ने ड्रिंक की आसान रेसिपी शेयर करते हुए बताया, आधा गिलास गर्म पानी लें और उसमें आधा नींबू निचोड़ें फिर एक चुटकी गुलाबी नमक (सेंधा नमक), हल्दी और काली मिर्च मिलाएं। फिर इसमें रात भर भिगोए चिया सीड्स और ताजा कसा अदरक डालें फिर अच्छी तरह मिलाकर 1 मिनट रखें और फिर धीरे-धीरे घूंट-घूंट करके पिएं। अभिनेत्री ने बताया कि वह सुबह सबसे पहले यह ड्रिंक पीती हैं और 20-30 मिनट बाद नाश्ता करती हैं। अभिनेत्री ने सलाह दी कि चिया सीड्स को हमेशा भिगोकर ही इस्तेमाल करें। अगर किसी को पेट या निगलने की समस्या है तो यह ड्रिंक न लें। यह ड्रिंक कैफीन की तरह तेज असर नहीं करती, बल्कि सौम्य तरीके से शरीर को संतुलित करती है। सोहा ने यह भी बताया कि पेरिमेनोपॉज, मेनोपॉज और हार्मोनल बदलाव के बारे में उन्होंने मिनी माथुर और डॉ. सुखप्रीत पटेल के साथ एक पूरा एपिसोड किया है, जो उनके यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

सुचित्रा सेन: करियर के शिखर पर पहुंचकर चुनी गुमनामी की जिंदगी, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार लेने से भी किया इनकार

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में कई सितारे आए और गए, लेकिन कुछ नाम ऐसे होते हैं जो समय के साथ और भी बड़े हो जाते हैं। सुचित्रा सेन ऐसा ही एक नाम हैं, जिनकी खूबसूरती और अदाकारी ने उन्हें लोगों के दिलों में हमेशा के लिए बसा दिया। हालांकि सुचित्रा सेन की जिंदगी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसमें कई ऐसे फैसले भी थे, जिन्होंने उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बना दिया। उन्हीं में से एक फैसला देश के सबसे बड़े सिनेमा सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार को ठुकराने का था। हालांकि, इस कहानी की शुरुआत उनके साधारण जीवन से होती है।

सुचित्रा सेन का जन्म 6 अप्रैल 1931 को बंगाल के एक छोटे से गांव में हुआ था, जो आज बांग्लादेश में है। उनका असली नाम रोमा दास गुप्ता था। उनके पिता हेड मास्टर और मां गृहणी थीं। कम उम्र में ही उनकी शादी दीबानाथ सेन से हो गई थी। शादी के एक साल बाद उन्होंने बेटी मुनमुन सेन को जन्म दिया। सुचित्रा को बचपन से गाने और अभिनय का शौक था और उनके पति ने ही उन्हें फिल्मों में आने के लिए प्रेरित किया। यहीं से उनके सपनों को उड़ान मिली और उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बंगाली फिल्मों से की। शुरुआती फिल्म 'शेष कोथाय' रिलीज नहीं हो पाई। उन्होंने 'चौत्तोर' फिल्म से डेब्यू किया। इस फिल्म में सुचित्रा ने उत्तम कुमार के साथ काम किया। इस जोड़ी ने पर्दे पर 20 साल राज किया। सुचित्रा ने अपने करियर में 61 में से 30 फिल्में उत्तम कुमार के साथ ही कीं।

हिंदी सिनेमा में सुचित्रा सेन ने 'मुसाफिर', 'देवदास', 'हॉस्पिटल',' मुंबई का बाबू', 'ममता' और 'आंधी' जैसी फिल्मों में भी दमदार अभिनय किया। उनके अभिनय में एक खास बात थी। वे अपनी आंखों और भावों से ही कहानी कह देती थीं, जिससे दर्शक उनसे जुड़ जाते थे।

एक समय ऐसा भी आया, जब वे बड़े-बड़े हीरो से ज्यादा फीस लेने लगीं। साल 1978 में उनकी फिल्म 'प्रणय पाशा' फ्लॉप हो गई, जिसने उन्हें अंदर से झकझोर दिया। इसके बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और धीरे-धीरे पूरी दुनिया से खुद को अलग कर लिया।

यहीं से उनकी जिंदगी का सबसे अलग और अनोखा दौर शुरू हुआ। सुचित्रा सेन ने गुमनामी का रास्ता चुन लिया और करीब 36 साल तक लोगों से दूर रहीं।

उन्होंने सार्वजनिक जगहों पर आना बंद कर दिया और अपना जीवन एकांत में बिताने लगीं। इसी दौरान साल 2005 में उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार देने का फैसला किया गया।

आर्या-गौतम कार्तिक स्टारर 'मिस्टर एक्स' को सेंसर बोर्ड की मंजूरी, मिला यूए सर्टिफिकेट

चेन्नई। अभिनेता आर्या, गौतम कार्तिक और मंजू वारियर स्टारर मोस्टअवेटेड स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'मिस्टर एक्स' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने रिलीज के लिए मंजूरी दे दी है। फिल्म को यूए सर्टिफिकेट मिला है, जिसका मतलब है कि यूए सर्टिफिकेट मिलने के बाद फिल्म परिवार के साथ देखने लायक हो गई है।

फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अभिनेता आर्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस खबर को पोस्ट करते हुए लिखा, 'हम आ रहे हैं। यूए सर्टिफाइड। इस अप्रैल, अनजान और रोमांचक दुनिया में कदम रखने को तैयार। दुनिया भर में तलाश शुरू होगी...।

फिल्म का निर्माण विनीत जैन और एस. लक्ष्मण कुमार ने किया है, जबकि को-प्रोड्यूसर ए. वेंकटेश हैं। निर्देशन मनु आनंद का है, जो 'एफआईआर' जैसी फिल्म को लिए लोकप्रिय हैं।

निर्देशक मनु आनंद ने हाल ही में बताया कि फिल्म इस महीने रिलीज हो रही है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगा जैसे सदियां बीत गईं, लेकिन 'मिस्टर एक्स' इस महीने दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने इस फिल्म पर काम किया। उम्मीद है कि दर्शकों को हमारा काम पसंद आएगा।

प्रोड्यूसर लक्ष्मण कुमार ने बताया कि यह फिल्म कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इसमें देश पर आए पांच ऐसे असली खतरों को दिखाया गया है, जिन्हें भारतीय खुफिया एजेंसियों ने नाकाम कर दिया था। फिल्म जासूसी की दुनिया को रोमांचक तरीके से पेश करती है। फिल्म में आर्या, गौतम कार्तिक और मंजू वारियर के अलावा सरदकुमार, अनघा, अतुल्या, रायजा विल्सन और काली वेंकट जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'तुम जैसी हो, वैसी ही रहना', बहन आरती सिंह के जन्मदिन पर कृष्णा अभिषेक का खास पोस्ट

मुंबई। मशहूर कामेडियन और अभिनेता कृष्णा अभिषेक ने अपनी बहन आरती सिंह के जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बहन के साथ अपने रिश्ते की झलक दिखाई, जिसमें प्यार के साथ-साथ उनकी खास नोकझोंक भी साफ नजर आई। कृष्णा के इस अंदाज को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे है।

कृष्णा अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर कई पुरानी तस्वीरें साझा की, जिसमें वह अपनी बहन आरती सिंह के साथ नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर उनके बचपन की है, जिसमें वे दोनों एक-दूसरे की तरफ देखते हुए हंस रहे हैं। वहीं अन्य तस्वीरों में दोनों मस्ती करते हुए नजर आ रहे है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में आरती को जन्मदिन की बधाई देते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि वह वैसी ही बनी रहें जैसी हैं, भले ही कभी-कभी परेशान करने वाली, चिढ़ाने वाली और बार-बार तंग करने वाली क्यों न हों।

उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, 'आरती, तुम्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, तुम जैसी हो, वैसी ही रहना... चाहे तुम परेशान करने वाली हो, चिढ़ाने वाली हो, थोड़ी बेवकूफी भरी हरकतें करती हो या कभी-कभी नहीं, बल्कि ज्यादातर समय नर्वस रहती हो। हम सब तुम्हें सबसे ज्यादा प्यार करते हैं। मेरी कामना है कि तुम हमेशा खुश और स्वस्थ रहो।

इस पोस्ट पर आरती सिंह ने भी मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने लिखा, ' 'मैं भी तुमसे बहुत प्यार करती हूं। मुझे हमारी मां ने इसी काम के लिए चुना है कि मैं तुम्हें परेशान करूं, और मैं जिंदगी भर ऐसा ही करती रहूंगी अगले 45 साल तक भी।

वहीं, फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान ने भी इस पोस्ट पर कमेंट किया और लिखा, ' 'यह बहुत ही प्यारा है। मुझे तुम इसी तरह याद हो। जन्मदिन की शुभकामनाएं आरती सिंह। फैंस ने भी कृष्णा अभिषेक के पोस्ट पर कमेंट्स किया। एक फैन ने लिखा, 'आप दोनों की बॉन्डिंग सच में बहुत क्यूट है, नजर न लगे।' दूसरे फैन ने लिखा, 'ऐसा भाई-बहन का रिश्ता हर किसी का हो, बहुत ही प्यारा।

अन्य फैंस ने आरती सिंह को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए इमोजी शेयर किए।

'हर दिन तुम पर फिदा हो जाता हूं', ट्विंकल खन्ना संग हाथों में हाथ डालकर घूमते दिखे अक्षय कुमार

मुंबई । फिल्मी दुनिया में जहां रिश्ते अक्सर चर्चा और सुर्खियों में बने रहते हैं, वहीं कुछ जोड़ियां ऐसी भी होती हैं जो अपने सादगी भरे और मजबूत रिश्ते से लोगों का दिल जीत लेती हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की, रविवार को अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा सा वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उनके रिश्ते की मस्ती और दोस्ती भी साफ दिखाई देती है। अक्षय कुमार द्वारा साझा किया गया यह वीडियो उनकी मालदीव ट्रिप की पुरानी यादों से जुड़ा हुआ है। इस वीडियो में दोनों एक खूबसूरत जगह पर साथ चलते हुए नजर आते हैं, जहां चारों ओर साफ नीला पानी और शांत माहौल दिखाई दे रहा है। दोनों हाथ में हाथ डाले चलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ अक्षय कुमार ने मजाकिया अंदाज में लिखा, ' 'मैं हर दिन अपनी पत्नी पर फिदा हो जाता हूं, लेकिन कभी-कभी कोहनी लदने के बाद। वीडियो में एक खास पल ऐसा भी देखने को मिलता है।

ईरान कनेक्शन पर अमेरिका सख्त, ग्रीन कार्ड रद्द, दो विदेशी नागरिक हिरासत में

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ईरान से जुड़े संबंधों के आरोप में दो विदेशी नागरिकों के ग्रीन कार्ड रद्द कर दिए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने दोनों को हिरासत में लेकर देश से निष्कासन (डिपोर्टेशन) की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

हामिदेह सोलेमानी अफशार और उनकी बेटी को संघीय एजेंसियों ने उस समय गिरफ्तार किया, जब उनकी स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) की स्थिति समाप्त कर दी गई। फिलहाल दोनों अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में हैं।

रूबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'हाल तक हामिदेह सोलेमानी अफशार और उनकी बेटी अमेरिका में ग्रीन कार्ड धारक के रूप में आलीशान जिंदगी जी रही थीं।

इस सप्ताह मैंने उनकी कानूनी स्थिति खत्म कर दी और अब वे आईसीई की हिरासत में हैं, जहां से उन्हें देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, हामिदेह सोलेमानी अफशार पर ईरान की 'तानाशाही और आतंकवादी' सरकार का खुला समर्थन करने का आरोप है। विभाग ने कहा कि उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए ईरानी प्रचार को बढ़ावा दिया, मध्य पूर्व में अमेरिकी सैनिकों और ठिकानों पर हमलों का समर्थन किया और अमेरिका को 'ग्रेट सैटन' बताया। यह मामला ईरान के पूर्व सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी से जुड़े पारिवारिक संबंधों से भी जुड़ा बताया जा रहा है, जिनकी 2020 में इराक में अमेरिकी एयरस्ट्राइक में मौत हो गई थी।

विदेश विभाग ने यह भी बताया कि अफशार के पति को भी अमेरिका में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

इसी कार्रवाई के तहत इस महीने की शुरुआत में फातिमेह अर्देशिर-लारीजानी और उनके पति सैयद कलांतर मोतामेदी की कानूनी स्थिति भी समाप्त कर दी गई थी। दोनों अब अमेरिका में नहीं हैं और भविष्य में उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है।

रूबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी प्रशासन 'ऐसे विदेशी नागरिकों को देश में रहने की अनुमति नहीं देगा, जो अमेरिका विरोधी या आतंकवादी शासन का समर्थन करते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने इस कार्रवाई में सहयोग के लिए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और आईसीई का आभार भी जताया है।

इजरायली सेना ने लेबनान के मुख्यालय के कैमरों को किया नष्ट, यूएनआईएफआईएल दर्ज कराएगा विरोध

बेरुत । संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान (यूएनआईएफआईएल) ने कहा है कि इजरायली सैनिकों ने नाक़ौरा स्थित उसके मुख्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों को नष्ट कर दिया है। इसे लेकर औपचारिक विरोध दर्ज कराया जाएगा।

यूएनआईएफआईएल की प्रवक्ता कैंडिस आर्डेल ने एक बयान में कहा कि इजरायली सैनिकों ने शुक्रवार को नाक़ौरा में मिशन के जनरल मुख्यालय में मेनघी रोड की ओर लगे सभी कैमरों को नष्ट कर दिया है। ये कैमरे केवल परिसर के आसपास के क्षेत्र की निगरानी के लिए लगाए गए थे, जिससे वहां मौजूद शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अर्देल ने कहा कि यूएनआईएफआईएल ने इजरायली सेना को अपनी चिंता से अवगत कराया है और औपचारिक विरोध दर्ज कराएगा।

यह घटना अमेरिका, इज़राइल और ईरान से जुड़े व्यापक क्षेत्रीय संघर्षों के बीच घटी है। साथ ही, दक्षिणी लेबनान में यूएनआईएफआईएल के ठिकानों को प्रभावित करने वाली हाल की कई घटनाएं भी सामने आई हैं।

संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल ने बताया कि शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान के अदाइसेह क्षेत्र के पास संयुक्त राष्ट्र के एक ठिकाने में हुए विस्फोट में तीन शांति सैनिक घायल हो गए, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल थे।

लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएएनए) के अनुसार, यूएनआईएफआईएल की प्रवक्ता कैंडिस आर्डेल ने कहा कि घायल शांति सैनिकों को अस्पताल ले जाया गया है और विस्फोट को लेकर अभी तक कुछ पता नहीं चला है। अर्देल ने कहा 'यूएनआईएफआईएल के अभियान क्षेत्र के केंद्रीय भाग के पास तैनात शांति सैनिकों के लिए यह सप्ताह काफी कठिन रहा है। हम सभी घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा, 'यूएनआईएफआईएल सभी पक्षों को शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने दायित्वों की याद दिलाता है, जिसमें आस-पास की ऐसी किसी भी युद्ध गतिविधि से बचना शामिल है, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। यह घटना हाल के दिनों में दक्षिणी लेबनान में यूएनआईएफआईएल के ठिकानों और गश्ती दल को प्रभावित करने वाली कई सुरक्षा घटनाओं के बाद हुई है।

भारत ने संकट से जूझ रहे अफ्रीकी देशों को भेजी खाद्य सहायता

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक दक्षिण के विकास और मानवीय सहायता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए अफ्रीकी देशों मोजाम्बिक, मलावी और बुर्किना फासो को खाद्य सहायता प्रदान की है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने सूखा प्रभावित मलावी को 1,000 मीट्रिक टन चावल, बुर्किना फासो को 1,000 मीट्रिक टन चावल और बाढ़ प्रभावित मोजाम्बिक को 500 मीट्रिक टन चावल के साथ राहत सामग्री भेजी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत ने बुर्किना फासो को मानवीय सहायता के रूप में 1,000 मीट्रिक टन चावल भेजा है। इसका उद्देश्य कमजोर समुदायों और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

यह पहल वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक विश्वसनीय विकास और मानवीय सहायता तथा आपदा राहत भागीदार के रूप में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

यह मानवीय पहलू ऐसे समय में सामने आया है, जब कई अफ्रीकी देश गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

बुर्किना फासो इस क्षेत्र के सबसे गंभीर मानवीय संकटों में से एक से जूझ रहा है, जहां लाखों लोगों को सहायता की आवश्यकता है। इसके अलावा, 2022 के तख्तापलट के बाद से इस्लामिक उग्रवादी समूहों से जुड़ी हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता भी जारी है।

यरूशलेम पोस्ट के एक लेख के अनुसार, मलावी अल नीनो से जुड़े सूखे के कारण खाद्य संकट का सामना कर रहा है, जबकि मोजाम्बिक में विनाशकारी बाढ़ आई है।

वहीं, दूसरी ओर भारत अब केवल राहत सामग्री भेजने से आगे की सोच रहा है। 31 मार्च को सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस के एक वर्किंग पेपर में कहा गया है कि अफ्रीका के पास वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण और ट्रांजिशन मिनरल्स का 30 प्रतिशत से अधिक भंडार हैं। इसमें सुझाव दिया गया है कि भारत को केवल मिनरल्स निकालने या रियायती वित्तपोषण से आगे बढ़कर, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, वर्कफोर्स ट्रेनिंग और साझा मूल्य निर्माण पर आधारित साझेदारियों की ओर बढ़ना चाहिए।

लेख में बताया गया है कि यह पेपर जाम्बिया, जिम्बाब्वे और तंजानिया पर भविष्य के सहयोग के लिए मुख्य उदाहरणों के तौर पर फोकस करता है। लेख के अनुसार, 'मानवीय सहायता और संसाधन कूटनीति का संयोजन दर्शाता है।

ईरानी कमांडर ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने पर अमेरिका-इज़रायल को विनाशकारी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान । ईरान के एक शीर्ष कमांडर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो उसके जवाब में पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़रायली बुनियादी ढांचे पर 'विनाशकारी और लगातार' हमले किए जाएंगे।

ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रमुख कमांडर अली अब्दोल्लाही ने यह चेतावनी जारी की। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान से होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समय-सीमा सोमवार को समाप्त होने वाली है।

अब्दोल्लाही ने कहा, 'लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने एक हताश, घबराया हुआ, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम उठाते हुए ईरान के बुनियादी ढांचे व राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।

उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल देश के अधिकारों की रक्षा करने और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'एक पल भी' हिचकिचाएंगे नहीं और 'हमलावरों को उनकी जगह दिखा देंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन दिए थे,' और जोड़ा, 'समय खत्म हो रहा है और 48 घंटे बचे हैं, उसके बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।

21 मार्च को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो वह उसके बिजली संयंत्रों को 'नष्ट और तबाह' कर देंगे। हालांकि, दो दिन बाद तेहरान के साथ 'सकारात्मक बातचीत' के बाद उन्होंने हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया। बाद में उन्होंने समय-सीमा फिर बढ़ा दी।

इस बीच, ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि उसने ड्रोन से एक इज़रायल से जुड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज़' में जारी बयान में आईआरजीसी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने बहरीन के एक बंदरगाह में एक इज़रायली स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

लीबिया ने सार्वजनिक चिंताओं का हवाला देते हुए नए तेल सौदों पर रोक लगाई

त्रिपोली । लीबिया की राष्ट्रपति परिषद के प्रमुख मोहम्मद अल-मेनफी ने देश के पहले से विकसित तेल क्षेत्रों से संबंधित किसी भी नए सौदे को न करने का निर्देश दिया है। लीबिया की राष्ट्रपति परिषद के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की कि राष्ट्रीय तेल निगम (एनओसी) के अध्यक्ष मसूद सुलैमान को दिए गए निर्देश के तहत देश के पहले से विकसित तेल क्षेत्रों से संबंधित सभी नए सौदों पर रोक लगाई गई है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अल-अहरार टीवी के हवाले से रिपोर्ट में बताया कि इसमें सभी प्रकार के समझौते, अनुबंधात्मक व्यवस्था और अन्य संबंधित लेनदेन शामिल हैं।

मेनफी ने यह भी अनुरोध किया कि किसी भी पिछले सौदे की कानूनी, तकनीकी और आर्थिक प्रक्रियाओं और पृष्ठभूमि की तुरंत रिपोर्ट परिषद को भेजी जाए। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य लीबिया की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की सुरक्षा करना और उसके रणनीतिक तेल संसाधनों से सर्वोत्तम लाभ सुनिश्चित करना है।

यह निर्णय प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद डेबैबाह के विवादास्पद तेल विकास समझौते को निलंबित करने के पिछले फैसले के बाद आया है, जिसे कथित रूप से अरबियन गल्फ ऑयल कंपनी के साथ किया गया था। इस फैसले का कारण पारदर्शिता पर बढ़ती चिंताएं और सार्वजनिक प्रतिक्रिया थी।

तेल और गैस निर्यात लीबिया का मुख्य राजस्व स्रोत हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन में बार-बार बाधाएं आई हैं, जो संघर्ष या राजनीतिक अस्थिरता के कारण हुई हैं। इसी बीच, लीबिया के पोर्ट्स और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी ने घोषणा की कि क्षतिग्रस्त रूसी तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर को खींचने का प्रयास असफल रहा।

अथॉरिटी ने बयान में कहा कि 'गहरा दबाव और तेज़ हवाओं (40 नॉट) और 5 मीटर तक की लहरों के कारण टैंकर अब पूरी तरह से समुद्र में बेकार और नियंत्रण से बाहर है।

उन्होंने कहा, 'हम सभी जहाजों, समुद्री इकाइयों और संबंधित अधिकारियों को सूचित करते हैं कि खींचने का ऑपरेशन 2 अप्रैल को सुबह 4:00 बजे असफल हो गया। टैंकर अब नियंत्रण से बाहर है और टगबोट इस खतरनाक मौसम में इसे वापस लाकर पुन: जोड़ने में असमर्थ है।

277 मीटर लंबे टैंकर 'आर्कटिक मेटागैस' में लगभग 62,000 मीट्रिक टन एलएन थी थी, जब यह 3 मार्च को लीबिया और माल्टा के बीच पानी में डूब गया, जैसा कि लीबियाई न्यूज़ एजेंसी की एक नौवहन सर्कुलर में बताया गया।

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच मिस्र ने बढ़ाई बिजली की कीमतें

काहिरा । मिस्र के बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इस अप्रैल से कमर्शियल और घरेलू बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। मंत्रालय ने बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के कारण पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट का हवाला दिया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार देर रात (स्थानीय समय) जारी एक बयान में, मंत्रालय ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध के कारण सभी ऊर्जा संसाधनों में पैदा हुए गंभीर वैश्विक संकट ने इस महीने से कुछ कमर्शियल और घरेलू खपत श्रेणियों के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को जरूरी बना दिया है। यह जानकारी

बयान में कहा गया है कि अलग-अलग श्रेणियों में कमर्शियल खपत की कीमतों में औसतन लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी। घरेलू खपत के लिए, उन श्रेणियों की कीमतें जिनमें प्रति माह 2,000 किलोवाट-घंटा या उससे अधिक बिजली की खपत होती है, औसतन 16 प्रतिशत बढ़ा दी गई हैं, जबकि 2,000 किलोवाट-घंटा की सीमा से नीचे की सभी श्रेणियों के लिए दरें अपरिवर्तित रहेंगी।

इससे पहले, 3 अप्रैल को मिस्र ने घरेलू ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर अपनी बढ़ती निर्भरता को कम करने के प्रयासों के तहत, भूमध्य सागर और पश्चिमी रेगिस्तान में चार नए प्राकृतिक गैस कुओं को चालू किया।

पेट्रोलियम और खनिज संसाधन मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भूमध्य सागर में अपतटीय पश्चिम बुरुल्लस क्षेत्र और पश्चिमी रेगिस्तान में खालदा क्षेत्रों में स्थित इन कुओं से संयुक्त रूप से प्रतिदिन 120 मिलियन क्यूबिक फीट गैस का उत्पादन होने की उम्मीद है।

ये नए कुएं ऐसे समय में चालू किए गए हैं जब मिस्र, ईरान और इजरायल-अमेरिका से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष के कारण आसमान छूती ऊर्जा लागत से जूझ रहा है। इजरायली प्राकृतिक गैस, जो आमतौर पर मिस्र की कुल खपत का लगभग 20 प्रतिशत होती है, 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों की शुरुआत के बाद से बंद हो गई है।

मंत्रालय ने बताया कि नए ऊर्जा भंडार सुरक्षित करने के लिए मिस्र ने 2026 में 100 से अधिक खोजपूर्ण कुओं की खुदाई करने की योजना बनाई है।

मिस्र सरकार ने पिछले महीने भी कुछ फैसले लिए, जिनमें लोगों को घर से काम करने की अनुमति, अधिक ईंधन की खपत वाले बड़े प्रोजेक्ट्स के कार्यान्वयन को धीमा करना और सभी सरकारी वाहनों के लिए ईंधन आवंटन में 30 प्रतिशत की कटौती करना शामिल था। अतिरिक्त उपायों में दुकानों, रेस्तरां, कैफे और मॉल के खुलने के समय में कटौती करना, साथ ही सड़कों की रोशनी और बिलबोर्ड की रोशनी को एक-तिहाई तक कम करना शामिल था।

रूस की कंपनी ने ईरान से अपने कर्मचारियों को निकालने का काम शुरू किया

मॉस्को। रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपने कर्मचारियों की निकासी के मुख्य चरण की शुरुआत कर दी है। यह जानकारी रोसाटॉम के महानिदेशक अलेक्सी लिखाचेव ने दी।

रोसाटॉम के महानिदेशक अलेक्सी लिखाचेव ने कहा कि कुल 198 रोसाटॉम कर्मचारियों को बसों के जरिए ईरान-आर्मेनिया सीमा की ओर ले जाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमें पूरी उम्मीद है कि दो से तीन दिनों के भीतर हमारे सहयोगी ईरान के लगभग पूरे क्षेत्र को सुरक्षित रूप से पार करके अपने देश लौट आएंगे।

लिखाचेव ने बताया कि रोसाटॉम कर्मचारियों की निकासी मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरानी पक्ष बहुत प्रयास कर रहा है और आर्मेनियाई सरकार के साथ सहयोग सुचारू रूप से चल रहा है, जैसा कि शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट किया।

उन्होंने कहा कि रूसी परमाणु विशेषज्ञ क्षेत्र से येरेवन हवाई अड्डे के माध्यम से बाहर जाएंगे। ईरान की परमाणु ऊर्जा संगठन ने पहले बताया था कि बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक प्रक्षेप्य गिरा, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। यह फरवरी 28 से अमेरिका-इज़राइल के हमलों के बाद चौथा ऐसा हमला था।

इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान अमेरिका और इज़रायल द्वारा देश पर थोपे गए युद्ध को 'निरंतर और निर्णायक' रूप से समाप्त करने की शर्तों को सुरक्षित करना चाहता है।

अराघची ने बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास अमेरिका-इज़राइल हमले की निंदा की और पश्चिम एशिया क्षेत्र में इसके संभावित घातक परिणामों की चेतावनी दी।

बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र जो बुशेहर शहर से 17 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है और रूस के सहयोग में संचालित होता है, ने सितंबर 2011 में बिजली आपूर्ति शुरू की थी। नवंबर 2014 में, ईरान और रूस ने संयंत्र में दो नए रिएक्टर जोड़ने के लिए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

तमिलनाडु में भाजपा ने लॉन्च किया 'शिकायत बॉक्स', पीयूष गोयल बोले- राज्य में बनेगी एनडीए की सरकार

चेन्नई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु में अपने चुनाव प्रचार को गति देते हुए 'शिकायत बॉक्स' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इसमें 'क्यूआर कोड' के जरिए लोग अपनी शिकायत और सुझाव शेयर कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि एक बहुत अच्छे कैंपेन की शुरुआत की गई है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने मायलापुर में 'क्यूआर' कोड पहल शुरुआत की। इस विधानसभा सीट से तमिलिसाई सुंदरराजन चुनाव लड़ रही हैं।

पीयूष गोयल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'यह बहुत अच्छी पहल की शुरुआत हुई है। सोमवार को सभी उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करेंगे। जमीनी स्तर पर जबरदस्त उत्साह है। जनता तमिलनाडु-विरोधी व भारत-विरोधी डीएमके और कांग्रेस को परास्त करेगी। एनडीए गठबंधन इस बार सरकार बनाएगा, जो यहां की जनता की सेवा और विकास करेगा। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा, 'तमिलनाडु की जनता बहुत समझदार है और वह चुनाव में बिल्कुल गलती नहीं करेगी। वह एनडीए को वोट करेगी और फिर से राज्य में एनडीए की सरकार बनेगी।

वहीं, तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि जीत हमारी होगी। तमिलनाडु में सब विजय की बात कर रहे हैं और वह विजय हमारे साथ है। हम बहुत खुश हैं। आज हमने यहां एनडीए कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की है। निश्चित रूप से तमिलनाडु में एनडीए सरकार बनाएगी। लोग डीएमके को बाहर का रास्ता दिखाएंगे और उसकी वंशवादी व भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत करेंगे।

इस दौरान, तमिलिसाई सुंदरराजन ने केंद्र सरकार की ओर से महिला आरक्षण संशोधन विधेयक लाने की तैयारियों पर कहा, 'हम इसका स्वागत करते हैं। कांग्रेस बिना किसी वजह के महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध कर रही है।

इससे पहले, एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'तमिलनाडु में हम जो चुनाव देख रहे हैं, वह महज एक और चुनाव नहीं है।

त्रिपुरा में 'ट्रिपल इंजन सरकार' के लिए तैयार जनता: सीएम माणिक साहा

अगरतला । त्रिपुरा के सीएम मणिक साहा ने शनिवार को लोगों से अपील की कि वे 'गुमराह करने वाले संदेशों' से बचें और समय रहते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़ें। उन्होंने दावा किया कि त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (टीटीएएडीसी) में जनता 'ट्रिपल इंजन सरकार' बनाने के लिए तैयार है। 30 सदस्यीय टीटीएएडीसी, जिसमें 28 निर्वाचित और दो राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य होते हैं, के लिए 12 अप्रैल को चुनाव होना है। धलाई जिले के गंगानगर-गंडाच्छड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए साहा ने कहा, 'हम सभी को मिलकर एक नया त्रिपुरा बनाना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं जहां भी जाता हूं, लोग भाजपा के झंडे तले जुड़ रहे हैं। आज की रैली में भी 251 परिवारों के 710 मतदाताओं ने पार्टी जॉइन की है। मैं उनका स्वागत करता हूं। आपने सही समय पर सही निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने टीएमपी और अन्य दलों से जुड़े लोगों, खासकर युवाओं से अपील की कि वे भटकें नहीं।

उन्होंने कहा, 'जो लोग टीएमपी या अन्य पार्टियों में हैं, खासकर युवा, वे गुमराह न हों। हमारी डबल इंजन सरकार 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। गलत संदेश देने वालों से दूर रहें और समय रहते भाजपा में शामिल हों। साहा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'न्यू इंडिया' की बात करते हैं और उसी दिशा में राज्य 'न्यू त्रिपुरा' बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'विकास हर वर्ग—जाति, जनजाति, मणिपुरी अल्पसंख्यकों—तक पहुंचे और इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो, तभी नया त्रिपुरा और विकसित भारत बन सकता है।

संक्षिप्त खबर

कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने बेमौसमी बारिश-ओलावृष्टि से फसल नुकसान की समीक्षा के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को कई राज्यों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा करने का निर्देश दिया है।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने अधिकारियों को संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क करने और भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है।

बयान में कहा गया है कि चौहान ने प्रभावित राज्यों के किसानों को आश्वासन दिया है कि उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है और संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार उनके साथ खड़ी है। शिवराज सिंह ओलावृष्टि और भारी बारिश से फसलों को हुए नुकसान के मुद्दे पर संबंधित राज्यों के कृषि मंत्रियों से भी चर्चा करेंगे।

उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं सहित खड़ी रबी की फसलों को नुकसान पहुंचा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में 4,053.11 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे 14,207 किसान प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, ललितपुर जिला सबसे अधिक प्रभावित है, यहां 1,650.75 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं और 3,142 किसान प्रभावित हुए हैं। ललितपुर में मार्च में लगभग 118.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश लगभग 30.3 मिमी होती है। ललितपुर के अलावा, सहारनपुर में भी फसल का नुकसान हुआ है, जहां 11 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिसमें पांच गांवों के लगभग 44 किसान शामिल हैं।

इसी तरह, पंजाब में बेमौसम भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने गेहूं की कटाई को बाधित कर दिया है, जिससे किसानों में गंभीर चिंता पैदा हो गई है क्योंकि फसल पकने के अंतिम चरण में पहुंच गई है।

राज्य के कई हिस्सों में गेहूं की फसल पक चुकी है और शेष क्षेत्रों में पकने के अंतिम चरण में है। लेकिन खेतों में अधिक बारिश के कारण कटाई में देरी हो रही है। किसानों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण कटाई मशीनों को चलाना मुश्किल हो गया है।

भूमध्य सागर, कैस्पियन सागर और काला सागर क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण यह प्रतिकूल मौसम उत्पन्न हुआ है। पश्चिमी हवाओं के कारण भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में अचानक बारिश हो रही है।

केरल चुनाव : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भव्य रोड शो, लोगों की उमड़ी भारी भीड़

कोझिकोड । केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बेपोर विधानसभा क्षेत्र में एक जबरदस्त रोडशो किया। अमित शाह का यह रोडशो इस बात का संकेत है कि भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए राज्य में अपनी मजबूत पकड़ सुनिश्चित करने के लिए पूरी आक्रामकता के साथ आखिरी जोर लगा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने माथोट्टम बिजिथ जंक्शन से नाडुवट्टम तक के एक अहम रास्ते पर रोड शो निकाला, जिससे यह तटीय निर्वाचन क्षेत्र एक जीवंत राजनीतिक अखाड़े में तब्दील हो गया। इस रोडशो में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए।

रविवार सुबह से ही, सड़कों के किनारे भीड़ जमा होना शुरू हो गई थी। रोडशो देखने के लिए कई लोग घंटों से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही केंद्रीय मंत्री अमित शाह कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर जुलूस में शामिल हुए, समर्थकों ने पार्टी के झंडे लहराए और नारे लगाए।

सुबह लगभग 11:20 बजे, केंद्रीय मंत्री शाह फूलों से सजी एक खुली गाड़ी में सवार हुए और भीड़ का अभिवादन करना शुरू कर दिया। रोडशो ढोल की थाप और जोरदार नारों के बीच आगे बढ़ा। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया और लोगों का आभार जताया, जबकि पार्टी कार्यकर्ता खचाखच भरी सड़कों से गुजरते हुए उनके काफिले के साथ-साथ चले।

इस दौरान अमित साह के साथ बेपोर से एनडीए उम्मीदवार अधिवक्ता केपी प्रकाश बाबू भी मौजूद रहे।

बेपोर विधानसभा क्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है, जिसमें एनडीए उम्मीदवार का सामना एलडीएफ के पीए मोहम्मद रियास और यूडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे पीवी अनवर से हो रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस कार्यक्रम के बारे में पोस्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने केरल में एनडीए की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त किया और कहा कि लोग पारदर्शी शासन और विकास के लिए एनडीए गठबंधन की ओर देख रहे हैं। चुनावी कार्यक्रम में सोमवार को अमित शाह अलाप्पुझा जिले के हरिपाद में एक रोड शो के साथ अपना चुनावी अभियान जारी रखेंगे और उसके बाद नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

सूरत में यूथ मैराथन को उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं ने लगाई 'स्वास्थ्य की दौड़'

सूरत। गुजरात में सूरत के आठवा लाइंस स्थित मेटास एडवेंटिस स्कूल ग्राउंड पर मेटास यूथ मैराथन 2026 का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और युवाओं को प्रोत्साहित किया। इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और दौड़ लगाई। वहीं, मेटास ग्रुप की ओर से उपमुख्यमंत्री को शाल और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।

सुबह 5.30 बजे शुरू होने वाले मैराथन में हिस्सा लेने के लिए पूरे सूरत से छात्र-छात्राएं पहुंचे। मैराथन में आए लोगों ने जहां ऐसे आयोजन को युवाओं और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया, वहीं आयोजकों ने कहा कि उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के आने से युवाओं में जोश था और उनके आने की बात से युवाओं ने बड़ी संख्या में रजिस्ट्रेशन करवाया था।

मैराथन में शामिल विष्पी खराड़ी ने कहा, 'अंत तक हमारे साथ रहने वाली एकमात्र चीज हमारा शरीर है। हमें अपनी जीवनशैली में सुधार लाने पर काम करना चाहिए। इसके लिए स्पोर्ट और फिटनेस को अपने जीवन में शामिल करना चाहिए। फिट इंडिया मिशन भी इसलिए ही है। मेटास मैराथन फिटनेस की कड़ी में छोटी सी मुहिम है। सुबह उठकर मैराथन में हिस्सा लेना ही फिटनेस की शुरुआत है।

मेटास ग्रुप के सीईओ अनिल कुमार ने कहा, 'मैराथन आयोजित करने का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना है। इसके अलावा गुजरात के छात्रों को एकजुट करना मकसद है। उपमुख्यमंत्री के आने से मैराथन में हिस्सा लेने वाले युवाओं में जोश था।

हर्ष संघवी के कारण ही आधे से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

गौरतलब है कि 'मेटास यूथ मैराथन' में 3, 7, 12 किमी की दौड़ युवाओं की फिटनेस के लिए आयोजित की गई है। सुबह 5:30 बजे मेटास एडवेंटिस्ट स्कूल ग्राउंड से मैराथन शुरू हुई। वहीं, 3 मई 2026 को वीएनएसजीयू में 'सूरत किड्स मैराथन' का आयोजन किया जाएगएगा।

संवेदनशील सरकार ही संकट में ढाल बनती है, भुलाए गए नायकों को अब मिल रहा सम्मान : मुख्यमंत्री योगी

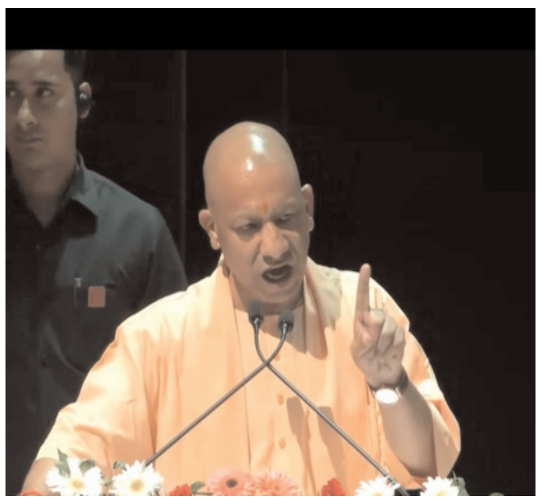

लखनऊ । भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इतिहास, संस्कृति और समकालीन राजनीति को जोड़ते हुए कहा कि संवेदनशील सरकार ही संकट के समय जनता की रक्षा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में राजनीतिक कारणों से कई महान नायकों को भुला दिया गया, लेकिन अब उन्हें सम्मान दिलाने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोमती नगर स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन एवं दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। लगभग 22 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना के तहत आयोजित स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह में उन्होंने 'रंगभेद' पत्रिका का विमोचन, प्रदर्शनी का अवलोकन और कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने 1921 की जनगणना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में अकाल और स्पेनिश फ्लू जैसी महामारी के कारण देश की आबादी बढ़ने के बजाय घट रही थी और तीन करोड़ से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई थी, लेकिन उस समय की सरकार संवेदनहीन बनी रही। उन्होंने कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया लॉकडाउन की स्थिति में थी और प्रवासी श्रमिक अपने घरों को लौट रहे थे, तब राज्य सरकार ने उनके भोजन और सुरक्षित घर वापसी की व्यवस्था की।

उन्होंने कहा कि संवेदनशील सरकार संकट में 'फ्रंट फुट' पर आकर जनता की रक्षा करती है। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक संस्थानों की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक समय ऐसा भी रहा जब समाज में गलत चरित्रों को नायक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसका दुष्परिणाम सामाजिक मूल्यों पर पड़ा। उन्होंने कहा कि आज स्थिति बदल रही है और रामायण जैसे धारावाहिकों की लोकप्रियता यह दर्शाती है कि समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहा है। इस दौरान उन्होंने महाराजा सुहेलदेव के शौर्य का उल्लेख करते हुए कहा कि एक हजार वर्ष पूर्व उन्होंने विदेशी आक्रांता सालार मसूद को परास्त कर देश और समाज की रक्षा की थी।

उन्होंने कहा कि पहले जिस स्थान पर सालार मसूद के नाम पर मेले लगते थे, वहीं अब महाराजा सुहेलदेव के स्मारक पर लोग श्रद्धा व्यक्त करने पहुंच रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि इतिहास के कई महापुरुषों को राजनीतिक कारणों से भुला दिया गया था।

मुंबई पुलिस ने 1,541 से ज्यादा चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए

मुंबई । मुंबई पुलिस ने एक संगठित अभियान चलाते हुए न केवल बड़ी संख्या में चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए, बल्कि उन्हें उनके असली मालिकों को वापस भी सौंप दिया।

मुंबई पुलिस कमिश्नरेट के जोन-3 की टीम द्वारा पिछले कुछ महीनों में चलाए गए विशेष ऑपरेशन के तहत कुल 1,541 चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन का सफलतापूर्वक पता लगाया गया। इन मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत 3 करोड़ 37 लाख 44 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस ने एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर इन सभी मोबाइल और अन्य बरामद सामान को उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया, जिससे लोगों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी।

पुलिस के अनुसार, पिछले तीन महीनों के दौरान ही जोन-3 के विभिन्न थानों ने मिलकर 662 मोबाइल फोन बरामद किए। इनकी कीमत करीब 1 करोड़ 35 लाख 71 हजार रुपए आंकी गई है। इस अभियान में सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल, साइबर सेल और डिटेक्शन ब्रांच की अहम भूमिका रही। इसके अलावा, करीब 30 लाख 54 हजार रुपए के अन्य कीमती सामान भी बरामद किए गए। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में कुल 1 करोड़ 66 लाख 25 हजार रुपए मूल्य की संपत्ति नागरिकों को लौटाई गई।

जोन-3 के अंतर्गत आने वाले अलग-अलग पुलिस थानों की भूमिका भी इस अभियान में उल्लेखनीय रही।

नागपाड़ा पुलिस स्टेशन ने सबसे अधिक 139 मोबाइल फोन बरामद किए, वहीं वर्ली पुलिस स्टेशन ने 108, ताड़देव पुलिस स्टेशन ने 105, एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन ने 104, आग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन और भायखला पुलिस स्टेशन ने 103-103 मोबाइल फोन बरामद किए।

असम विधानसभा चुनाव को लेकर डिब्रूगढ़ में शराबबंदी घोषित

डिब्रूगढ़ । असम विधानसभा चुनाव 2026 को ध्यान में रखते हुए डिब्रूगढ़ के जिला मजिस्ट्रेट ने पूरे जिले में शराबबंदी (ड्राई डे) घोषित कर दी है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए डीएम की ओर से आदेश जारी किया गया है।

शराब से संबंधित सभी दुकानों को 4 दिनों के लिए बंद रखने का आदेश जारी हुआ है। आदेश के अनुसार, डिब्रूगढ़ में 7 अप्रैल को शाम 5:00 बजे से 9 अप्रैल तक शराब बंदी रहेगी। इसके अलावा 4 मई को भी मतगणना प्रक्रिया पूरी होने तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

आदेश के अनुसार, थोक गोदाम, आईएमएफएल खुदरा दुकानें, क्लब, होटल के बार, देसी शराब की दुकानें और शराब की बिक्री या सेवा से जुड़े अन्य सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे।

इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान व्यक्तियों द्वारा शराब का भंडारण सख्ती से प्रतिबंधित रहेगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस वाले परिसरों में शराब के भंडारण पर आबकारी कानून के तहत लगाए गए प्रतिबंधों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

आदेश का उल्लंघन करने पर असम आबकारी अधिनियम और नियमों के संबंधित प्रावधानों के साथ-साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(सी) के तहत कार्रवाई की जाएगी। कोकराझार के जिला मजिस्ट्रेट पी. उदय प्रवीण ने चुनावों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक सप्ताह पहले ही इस तरह की घोषणा कर दी थी।

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के साथ-साथ गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था। 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं।

असम में कुल 126 विधानसभा सीटें हैं, जिनके लिए 722 उम्मीदवारों ने ताल ठोकी है। इसमें राजनीतिक दल और निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं।

आर्टेमिस II मिशन का चौथा दिन : मून फ्लाईबाई की तैयारी में जुटे एस्ट्रोनॉट्स, मैनुअल पायलटिंग का सफल प्रदर्शन

नई दिल्ली । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के आर्टेमिस II मिशन के चौथे दिन क्रू सदस्यों ने ओरियन यान में मैनुअल पायलटिंग का सफल प्रदर्शन पूरा कर लिया। यह मिशन चंद्रमा के चारों ओर घूमकर वापस पृथ्वी लौटने का परीक्षण है। क्रू ने मून फ्लाईबाई की योजना की भी समीक्षा की।

नासा की एस्ट्रोनॉट क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसेन ने बारी-बारी से ओरियन यान को नियंत्रित किया। 41 मिनट तक उन्होंने दो अलग-अलग थ्रस्टर मोड का परीक्षण किया।

इस परीक्षण से इंजीनियर्स को यान की पायलटिंग क्षमताओं के बारे में ज्यादा जानकारी मिली। सोमवार, 6 अप्रैल को अपने छह घंटे के फ्लाईबाई के दौरान वे तस्वीरें लेंगे और विश्लेषण करेंगे। फ्लाईबाई की अवधि 6 अप्रैल को दोपहर 2:45 बजे शुरू होगी।

मिशन कमांडर रीड वाइसमैन और पायलट विक्टर ग्लोवर इस प्रदर्शन को उड़ान के आठवें दिन यानी 9 अप्रैल को दोहराएंगे। इससे जमीनी टीम को यान के प्रदर्शन के विभिन्न पहलुओं की बेहतर समझ मिल सकेगी।

क्रू ने चंद्र विज्ञान टीम द्वारा भेजी गई चंद्रमा की सतह की विशेषताओं की सूची की समीक्षा की। अब सोमवार 6 अप्रैल को छह घंटे की चंद्र फ्लाईबाई के दौरान वे इन स्थानों की तस्वीरें लेंगे और उनका विश्लेषण करेंगे। फ्लाईबाई दोपहर 2 बजकर 45 मिनट से शुरू होगी, इस दौरान ओरियन यान की मुख्य खिड़कियां चंद्रमा की ओर होंगी। इससे पहले क्रू ने ओरियन यान के सौर पैनल कैमरों का उपयोग करके कुछ सेल्फी लीं। ये तस्वीरें आने वाले दिनों में पृथ्वी पर भेजी जाएंगी।

आर्टेमिस II मिशन अपोलो के बाद पहली बार मानवयुक्त यान को चंद्रमा के पास ले जाने वाला है। चार सदस्यीय दल में रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल हैं। मिशन का उद्देश्य ओरियन यान की गहरे अंतरिक्ष में क्षमताओं का परीक्षण करना है, ताकि भविष्य में चंद्रमा पर मानव बस्ती बसाने की तैयारी हो सके।

5 अप्रैल मिशन के पांचवें दिन तक धरती के गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव की वजह से कैप्सूल की रफ्तार धीमी हो जाएगी। जैसे ही यह चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में दाखिल होगा, इसकी गति फिर से बढ़ने लगेगी और चांद की ओर तेजी से बढ़ने लगेगा।

सिर्फ अनार ही नहीं, इसका छिलका भी है औषधीय गुणों से भरपूर, अतिसार से लेकर कब्ज में मिलेगी राहत

नई दिल्ली । अनार सितंबर से फरवरी तक आसानी से मिल जाता है, लेकिन आज के समय में ग्रीन हाउस और कोल्ड स्टोरेज की वजह से साल भर मीठे अनार का आनंद लिया जा सकता है। अनार एक ऐसा फल है कि जिसका छिलका भी कई रोगों से निजात दिलाने में मदद करता है। आयुर्वेद में अनार को दाडिम कहा जाता है, जो केवल फल नहीं, बल्कि औषधि है।

आयुर्वेद में अनार को वात, कफ और पित्त संतुलित करने वाला फल माना जाता है, जो शरीर में रक्त को बढ़ाता है और कमजोरी से भी बचाता है। अनार पाचन को समर्थ बनाता है, रक्त को पोषित करता है, त्वचा को निखारता है और शरीर को भीतर से बल देता है। अगर चेहरे पर मुहांसे और गहरे दाग-धब्बे परेशान करते हैं, तो अनार के छिलके से बना पेस्ट चेहरे में नई जान डाल देता है। इसके लिए अनार के छिलके के चूर्ण को गुलाबजल के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। पेस्ट को चेहरे पर हफ्ते में दो बार लगाएं। यह फेसपैक चेहरे पर पनप रहे बैक्टीरिया को खत्म करता है, जिससे मुहांसे और एक्ने कम होते हैं। गर्मियों में अक्सर अतिसार की परेशानी होती है क्योंकि थोड़ा सा भी तेलीय खाना खाने के बाद पेट की पाचन शक्ति प्रभावित होती है। ऐसे में अतिसार होना आम बात है। इसके लिए अनार के छिलके के पाउडर को छाछ में मिलाकर जीरे के साथ सेवन करें। ऐसा करने से पेट में पल रहे हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होंगे और आंतों की सूजन भी कम होगी। बच्चों को अक्सर पेट में कीड़ों होने की शिकायत बनी रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चें बिना हाथ धोए खाना खा लेते हैं। ऐसे में रोजाना बच्चे को खाली पेट अनार के दानों का सेवन कराना चाहिए। इससे आंतों पर पल रहे कीड़ों का नाश होता है और पेट में होने वाले दर्द से भी राहत मिलती है। इसके अलावा अगर हीमोग्लोबिन की कमी है, तब भी रोजाना 1 अनार का सेवन किया जा सकता है।

मंदिरों में क्लॉकवाइज क्यों लगाते हैं प्रदक्षिणा जानें क्या कहता है अध्यात्म और विज्ञान

नई दिल्ली । मंदिरों में घड़ी की सुई की दिशा में यानी क्लॉकवाइज प्रदक्षिणा या परिक्रमा करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसे सिर्फ धार्मिक रीति नहीं बल्कि वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। मंदिर का गर्भगृह एक शक्तिशाली ऊर्जा केंद्र होता है।

मंदिर में क्लॉकवाइज प्रदक्षिणा करना केवल रिवाज नहीं है बल्कि यह पृथ्वी की प्राकृतिक ऊर्जा दिशा के साथ तालमेल बिठाने का वैज्ञानिक तरीका है। सही तरीके से की गई प्रदक्षिणा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाती है। क्लॉकवाइज परिक्रमा करने से व्यक्ति को शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। क्लॉकवाइज परिक्रमा करने से ब्रह्मांडीय ऊर्जा शरीर में आसानी से आत्मसात हो जाती है, जिससे मानसिक शांति, शारीरिक स्फूर्ति और आत्मिक विकास होता है।

क्लॉकवाइज परिक्रमा के पीछे वैज्ञानिक सिद्धांत भी है। इस बारे में ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सदगुरु जगदीश वासुदेव भी इस विषय में विस्तार से जानकारी देते हैं। उत्तरी गोलार्ध में प्रदक्षिणा घड़ी की सुई की दिशा में ही की जाती है क्योंकि यह पृथ्वी की प्राकृतिक ऊर्जा प्रवाह के अनुकूल है। उन्होंने उदाहरण दिया कि जब हम नल की टोंटी खोलते हैं तो पानी उत्तरी गोलार्ध में हमेशा घड़ी की सुई की दिशा में घूमकर बाहर निकलता है। अगर हम दक्षिणी गोलार्ध में जाएं तो पानी उल्टी दिशा में घूमेगा। इसी तरह पूरा ऊर्जा तंत्र काम करता है। जब कोई शक्ति स्थान (मंदिर) हो, तो उसकी ऊर्जा को सही तरीके से ग्रहण करने के लिए क्लॉकवाइज परिक्रमा करनी चाहिए। सदगुरु बताते हैं कि इससे शरीर ऊर्जा को बेहतर तरीके से सोख पाता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, परिक्रमा के दौरान अगर बाल गीले हों तो ऊर्जा ग्रहण करने की क्षमता बढ़ जाती है। इससे भी बेहतर है कि पूरे कपड़े गीले हों। सबसे अधिक लाभ तब मिलता है जब व्यक्ति गीले कपड़ों में परिक्रमा करता है। गीले कपड़े शरीर को लंबे समय तक नम रखते हैं, जिससे ऊर्जा का अवशोषण बेहतर होता है। गीले कपड़ों में करना अधिक व्यावहारिक और बेहतर है क्योंकि शरीर जल्दी सूख जाता है।

आप ध्यान दें तो हर मंदिर में एक जल कुंड या कुआं जरूर होता है, जिसे कल्याणजी भी कहा जाता है। परंपरा थी कि पहले कल्याणी में स्नान कर गीले कपड़ों में ही मंदिर की प्रदक्षिणा की जाती थी। इससे मंदिर की सकारात्मक ऊर्जा को सबसे अच्छे तरीके से ग्रहण किया जा सकता था। आजकल ज्यादातर कल्याणी सूख चुकी हैं या गंदी हो गई हैं, जिसके कारण यह परंपरा कम हो गई है।

रोजाना हलासन करने से चेहरे पर आता है नेचुरल ग्लो, स्किन बनती है साफ, चमकदार और हेल्दी

नई दिल्ली । आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, गलत खानपान और नींद की कमी का असर सबसे पहले हमारे चेहरे पर दिखाई देता है। लोग चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन अक्सर इनका असर ज्यादा लंबे समय तक नहीं टिकता। ऐसे में योग एक ऐसा प्राकृतिक उपाय है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि चेहरे पर भी अंदर से निखार लाने में मदद करता है।

योग के योगासनों में से एक है हलासन, जिसे नियमित रूप से करने पर त्वचा में चमक देखने को मिल सकता हैं। हलासन में शरीर का निचला हिस्सा ऊपर की ओर जाता है और पैरों को सिर के पीछे जमीन पर टिकाने की कोशिश की जाती है। इस स्थिति में शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बदल जाता है, जो चेहरे के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

दरअसल, हलासन करते समय सिर और चेहरे की ओर ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। जब ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन और पोषक तत्व चेहरे की त्वचा तक पहुंचते हैं, तो स्किन सेल्स बेहतर तरीके से काम करने लगते हैं। इससे त्वचा में नैचुरल ग्लो आता है और चेहरा ज्यादा फ्रेश और चमकदार दिखाई देता है। इसलिए इसे नेचुरल फेस ग्लो योग भी कहा जाता है। इसके अलावा, हलासन शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को बाहर निकालने की प्रक्रिया को भी तेज करता है। जब शरीर डिटॉक्स होता है, तो उसका असर सीधे त्वचा पर दिखाई देता है। चेहरे पर मुंहासे, दाग-धब्बे और डलनेस कम होने लगती है। नियमित अभ्यास से स्किन साफ और स्वस्थ दिखने लगती है।

हलासन का एक और बड़ा फायदा यह है कि यह तनाव को कम करता है। तनाव चेहरे की चमक को खत्म करने का एक बड़ा कारण है। जब आप इस आसन को करते हैं, तो दिमाग शांत होता है और शरीर रिलैक्स महसूस करता है।

इससे हार्मोन बैलेंस बेहतर होता है, जो त्वचा की सेहत के लिए जरूरी है। इससे चेहरे पर सॉफ्टनेस और ग्लो दोनों बढ़ जाते हैं।

चेहरे के निखार के अलावा, हलासन शरीर के कई अन्य हिस्सों के लिए भी फायदेमंद है। यह आसन पाचन तंत्र को मजबूत करता है और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत देता है। जब पाचन सही रहता है, तो उसका असर भी त्वचा पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। इसके साथ ही यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और पीठ दर्द में भी मददगार होता है।

गर्भावस्था में अपच और भूख न लगने से परेशान? अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

नई दिल्ली । गर्भावस्था हर महिला के जीवन का बेहद खास समय होता है, लेकिन इस दौरान शरीर में होने वाले बदलाव कई तरह की परेशानियां भी लेकर आते हैं। इन्हीं में से एक आम समस्या है अपच, पेट में भारीपन और भूख न लगना।

दरअसल, प्रेग्नेंसी में हार्मोनल बदलाव के कारण पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे गैस, एसिडिटी और मतली जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। आयुर्वेद और विज्ञान दोनों ही मानते हैं कि खानपान और कुछ प्राकृतिक उपायों के जरिए इन समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

आयुर्वेद में सौंफ को पाचन के लिए बहुत लाभकारी माना गया है। सौंफ में मौजूद प्राकृतिक तेल और फाइबर पेट की मांसपेशियों को आराम देते हैं और गैस बनने की समस्या को कम करते हैं। सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीस्पास्मोडिक गुण होते हैं, जो पेट में ऐंठन और भारीपन को कम करने में मदद करते हैं। जब सौंफ को पानी में उबालकर पिया जाता है, तो इसके तत्व और भी आसानी से शरीर में घुल जाते हैं और पाचन तंत्र को शांत करते हैं। यही वजह है कि खाने के बाद थोड़ी सौंफ लेने से पेट हल्का महसूस होता है और अपच की समस्या कम हो सकती है।

अदरक को भी प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली मतली और अपच के लिए बेहद असरदार माना जाता है। आयुर्वेद में अदरक को महा औषधि कहा गया है, क्योंकि यह पाचन अग्नि को मजबूत करता है। विज्ञान के अनुसार, अदरक में जिंजरोल और शोगोल जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो पेट में बनने वाले एसिड को संतुलित करते हैं और उल्टी जैसा महसूस होने से राहत देते हैं। जब अदरक के साथ नींबू मिलाया जाता है, तो यह और ज्यादा असरदार हो जाता है।

नींबू में विटामिन सी और प्राकृतिक एसिड होते हैं, जो पाचन रस को सक्रिय करते हैं और भोजन को जल्दी पचाने में मदद करते हैं।

समुद्री जीवन के लिए अहम 'कोरल रीफ', जानें क्यों खतरनाक है 'कोरल ब्लीचिंग'?

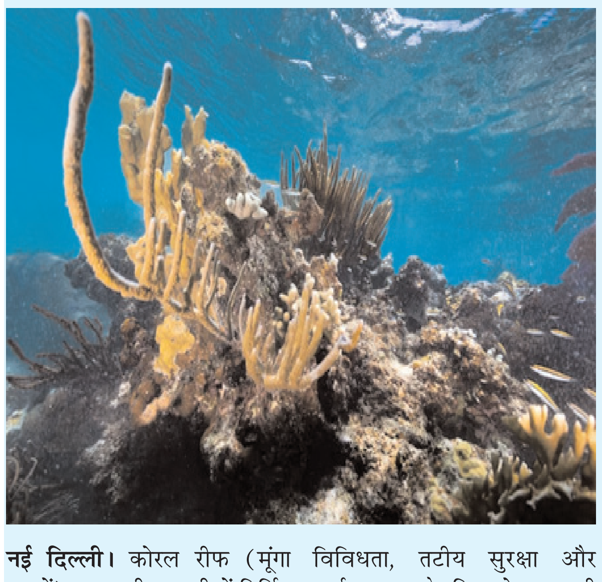

नई दिल्ली। कोरल रीफ (मूंगा चट्टानें) समुद्र की तलहटी में निर्मित होने वाली अद्भुत और जीवंत संरचनाएं हैं। इनका निर्माण सूक्ष्म समुद्री जीवों द्वारा किया जाता है। ये लाखों वर्षों की प्रक्रिया होती है, जिसमें पॉलिप्स कोरल रीफ में विकसित होकर विशाल चट्टानी स्वरूप ले लेते हैं। जैव विविधता के मामले में समृद्ध होने के कारण इन्हें 'समुद्र के वर्षावन' की संज्ञा दी गई है। यद्यपि ये समुद्र तल के मात्र एक प्रतिशत हिस्से में फैली हैं, किंतु समुद्री जीवन की लगभग 25 प्रतिशत प्रजातियों को आश्रय, भोजन और सुरक्षा प्रदान करती हैं।

ये रीफ न केवल तटीय क्षरण (कटाव) को रोककर चक्रवातों से सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि पर्यटन और मत्स्य पालन के जरिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोरल रीफ समुद्र की जैव-विविधता, तटीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी हैं। इनकी रक्षा के बिना समुद्री जीवन और तटीय समुदायों पर गंभीर संकट आ सकता है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी के रिसर्च साइंटिस्ट और कोरल रीफ विशेषज्ञ इनके महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हैं। रीफ, कोरल और कोरल रीफ में अंतर भी बताते हैं। रीफ समुद्र तल से ऊंची टीले जैसी संरचनाएं होती हैं, जो प्राकृतिक या मानव-निर्मित हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, रीफ कोई भी ऐसी संरचना है जो समुद्र तल से ऊपर उठी हुई हो। इसमें पुरानी कारों के टायर या प्राकृतिक चट्टानें भी शामिल हो सकती हैं।

कोरल मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय समुद्री क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इनका निर्माण सूक्ष्म 'पॉलिप्स' द्वारा होता है, जिनका व्यास मात्र कुछ मिलीमीटर होता है। प्रत्येक पॉलिप में एक मुख और दंश कोशिका युक्त 'टेंटेकल्स' (स्पर्शक) होते हैं। इन पॉलिप्स के सामूहिक समूह को 'कोरल कॉलोनी' कहा जाता है। मुख्य रूप से कोरल दो श्रेणियों में विभाजित हैं—कठोर और कोमल। कठोर कोरल कैल्शियम कार्बोनेट का उत्सर्जन कर सुदृढ़ ढांचे का निर्माण करते हैं, जबकि कोमल कोरल मांसल और लचीले होते हैं।

कोरल रीफ मुख्य रूप से कठोर कोरल की सामूहिक संरचना होती है। दुनिया का सबसे बड़ा कोरल रीफ ऑस्ट्रेलिया का ग्रेट बैरियर रीफ है, जो 2300 किलोमीटर से ज्यादा लंबा है और लगभग 3,48,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

स्वस्थ कोरल रीफ समुद्री जीवों को हजारों प्रजातियों का घर देते हैं, बैक्टीरिया से लेकर शार्क, ग्रूपर, स्नैपर और समुद्री कछुओं तक। ये तूफान और चक्रवातों के दौरान प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करते हैं और तटीय क्षेत्रों को 97 प्रतिशत तक नुकसान से बचा सकते हैं। लाखों लोग, खासकर द्वीपीय देशों में रहने वाले, अपनी रोजी-रोटी के लिए कोरल रीफ पर निर्भर हैं।

ये मछली पकड़ने, पर्यटन और शैक्षणिक गतिविधियों से आय पैदा करते हैं। वैज्ञानिक कोरल से नई दवाएं बनाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं, जैसे एंटीबायोटिक दवाएं जो सामान्य दवाओं पर असर न करने वाले बैक्टीरिया के खिलाफ काम करती हैं।

वजन घटाने से आगे: 2026 में ताकत, रिकवरी और मानसिकता कैसे बदल रहे हैं फिटनेस की परिभाषा

नई दिल्ली। फिटनेस उद्योग एक शांत लेकिन प्रभावशाली बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जो पहले त्वरित परिणामों और बाहरी दिखावे (एस्थेटिक) के लक्ष्यों से प्रेरित था, वह अब अधिक गहराई वाले, दीर्घकालिक स्वास्थ्य की दिशा में बदल रहा है। जिम, स्टूडियो और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर ध्यान धीरे-धीरे वजन घटाने से हटकर एक स्वस्थ, मजबूत और संतुलित शरीर व मन के निर्माण पर केंद्रित हो रहा है। यह बदलाव एक बड़े सांस्कृतिक परिवर्तन को दर्शाता है, जहां अल्पकालिक परिणामों के बजाय स्थिरता, संतुलन और जीवन की समग्र गुणवत्ता को महत्व दिया जा रहा है।

जेट्स फिटनेस इंडिया के प्रबंध निदेशक राहुल रघुवंशी बताते हैं, 'वैश्विक फिटनेस परिदृश्य में एक निर्णायक बदलाव आ रहा है, जहां केवल वजन घटाने पर ध्यान देने के बजाय समग्र और टिकाऊ वेलनेस पर जोर दिया जा रहा है।' वे आगे कहते हैं, 'आज के उपभोक्ता सिर्फ कैलोरी जलाने और वजन घटाने से आगे बढ़ चुके हैं।' यह बदलाव ताकत, लचीलापन, मानसिक स्वास्थ्य और दीर्घायु को प्राथमिकता देता है और फिटनेस की परिभाषा में एक मूलभूत परिवर्तन को दर्शाता है। एस्थेटिक लक्ष्यों से कार्यात्मक ताकत की ओर यह बदलाव भारत में खास तौर पर दिखाई दे रहा है, जहां 'पतला' दिखने की सोच से हटकर 'मजबूत' बनने पर जोर बढ़ रहा है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, सहनशक्ति आधारित वर्कआउट और प्रदर्शन-आधारित फिटनेस फॉर्मेट तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो एक लक्ष्य-केन्द्रित दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

रघुवंशी कहते हैं, जैसे संरचित ट्रेनिंग प्रोग्राम, जो ताकत, सहनशक्ति और मापने योग्य प्रगति को जोड़ते हैं।

आईपीएल 2026: बल्लेबाजों के बाद भुवनेश्वर का चला जादू, आरसीबी ने सीएसके को 43 रनों से हराया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 में जीत के सिलसिले को जारी रखा है। रविवार को एम. चिन्नास्वामी के मैदान पर खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 43 रनों से हराया। यह आरसीबी की लगातार दूसरी जीत है। वहीं, सीएसके की इस सीजन में यह लगातार तीसरी हार है। आरसीबी से मिले 251 रनों के लक्ष्य के जवाब में सीएसके की पूरी टीम 19.4 ओवर में 207 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

आरसीबी से मिले 251 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ महज 7 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन 5 गेंदों में 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आयुष म्हात्रे भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज एक रन बनाकर आउट हुए। कार्तिक शर्मा ने लगातार तीसरे मुकाबले में अपने प्रदर्शन से निराश किया और वह 3 गेंदों में सिर्फ 6 रन ही बना सके। शिवम दुबे अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 13 गेंदों में 18 रन बनाने के बाद अभिनंदन सिंह का शिकार बने।

सरफराज खान ने एक छोर से बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों में 50 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सरफराज ने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। प्रशांत वीर ने 29 गेंदों में 43 रन बनाए और उन्होंने जेमी ओवरटन के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। ओवरटन ने 37 रनों का योगदान दिया। नूर अहमद 8 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार बने। मैट हेनरी को अभिनंदन सिंह ने 2 रनों के स्कोर पर आउट किया। गेंदबाजी में आरसीबी की तरफ से भुवनेश्वर कुमार ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। वहीं, जैकब डफी और क्रुणाल पांड्या ने दो-दो विकेट चटकाए।

इससे पहले, आरसीबी ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बूते 20 ओवर में 3 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 250 रन लगाए। विराट कोहली और फिल साल्ट ने टीम को सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। कोहली 18 रन बनाकर आउट हुए, जबकि साल्ट ने 30 गेंदों में 46 रन बनाए। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 29 गेंदों का सामना करते हुए 50 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में पडिक्कल ने 5 चौके और 2 छक्के लगाए।

कप्तान रजत पाटीदार ने महज 19 गेंदों में 252 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 48 रन बनाए, जबकि टिम डेविड ने मात्र 25 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की धमाकेदार पारी खेली। रजत और डेविड ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 99 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। टिम डेविड ने अपनी इस तूफानी पारी में 3 चौके और 8 छक्के लगाए।

सीएसके की ओर से गेंदबाजी में अंशुल कंबोज, शिवम दुबे और ओवरटन ने एक-एक विकेट चटकाया। यह चेन्नई सुपर किंग्स की इस सीजन लगातार तीसरी हार है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' ने मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस, प्रतिभागियों ने अलग-अलग गेम जोन में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 68वें संस्करण के दौरान, पूरी तरह से फिट रहने के महत्व को उजागर किया गया। 5 किमी की नियमित साइकिलिंग राइड के अलावा, विश्व स्वास्थ्य दिवस से दो दिन पहले, 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कॉम्प्लेक्स में खास तौर पर बनाए गए कई फिटनेस जोन में हिस्सा लिया।

कई एक्टिविटी जोन में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, क्रिकेट, रस्साकशी, योग, स्किपिंग चैलेंज और कैरम, लूडो और सांप-सीढ़ी जैसे इनडोर गेम्स भी शामिल थे। आयुष मंत्रालय की 'योगा 365' पहल के तहत बनाए गए एक खास योग परामर्श बूथ पर, प्रतिभागियों ने गाइडेड सेशन और परामर्श के जरिए तनाव कम किया। वहीं, न्यूरल एक्टिविटी के लिए 'स्मार्ट वॉल फिटनेस चैलेंज' और 'डार्ट्स स्टेशन' ने सभी उम्र के लोगों को खूब आकर्षित किया।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई), इंडियन रोप स्किपिंग फेडरेशन, योगासन भारत, राहगीरी फाउंडेशन, माई बाइक्स और माई भारत के सहयोग से किया जाता है। यह साइकिलिंग अभियान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ चलाया जाता है, जिसमें साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र , साई प्रशिक्षण केंद्र, खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र और खेलो इंडिया केंद्र शामिल हैं।

किंग्स इलेवन पंजाब के पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना ने कहा, 'यह आयोजन सिर्फ रविवार को ही नहीं किया जाना चाहिए। इसे रोजमर्रा की आदत बना लेना चाहिए।

पावरलिफ्टिंग चैंपियन मुकेश गहलोत, जिन्हें सुबह के समय सम्मानित भी किया गया था।

आईपीएल 2026: सीएसके को हो रहा होगा पछतावा, नई टीम का सबसे बड़ा मैच विनर बना रिलीज किया गया खिलाड़ी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2024 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में उत्तर प्रदेश के मेरठ के एक विकेटकीपर बल्लेबाज को 8.40 करोड़ में खरीदा था। अनकैप्ड खिलाड़ी के लिए सीएसके जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी द्वारा इतनी बड़ी राशि खर्च करना सभी को हैरान कर गया था। ये खिलाड़ी थे समीर रिजवी, जो आईपीएल 2026 में डीसी के लिए सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे हैं। सीएसके के बारे में कहा जाता है कि फ्रेंचाइजी जिन खिलाड़ियों पर निवेश करती है, उन्हें उभरने और अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का पूरा समय देती है। समीर रिजवी के मामले में ऐसा नहीं था। पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर सीएसके की तरफ से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत करने वाले रिजवी के लिए आईपीएल 2024 उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। रिजवी सीजन के 8 मैचों की 5 पारियों में 12.75 के साधारण औसत से महज 51 रन बना सके। सीएसके का भरोसा रिजवी से उठ गया और आईपीएल 2025 से पहले टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया।

रिजवी घरेलू क्रिकेट खेल रहे थे और लगातार रन बनाते रहे।

आईपीएल 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने समीर पर भरोसा जताया और 95 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। रिजवी को आईपीएल 2025 में डीसी की तरफ से 5 मैच खेलने को मिले। प्रदर्शन करिश्माई तो नहीं रहा, लेकिन साधारण से बेहतर रहा। रिजवी ने 4 पारियों में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 रन बनाए। नाबाद 58 उनका श्रेष्ठ स्कोर रहा।

इस प्रदर्शन के बाद डीसी का भरोसा रिजवी पर और बढ़ा, और आईपीएल 2026 के लिए भी वह टीम का हिस्सा बने रहे। आईपीएल 2026 में समीर रिजवी टीम के भरोसे पर खरे उतरे हैं और टीम के लिए सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे हैं।

पीएसए प्लैटिनम इवेंट: अभय आगे बढ़े, अनाहत एल गौना स्क्वैश से बाहर

एल गौना । मिस्र के एल गौना में खेले जा रहे प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) प्लैटिनम इवेंट में अभय सिंह ने मिस्र के दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी एली अबू एलीनेन को 9-11, 11-8, 3-11, 11-4, 11-8 से हराया।

मिस्र के खिलाड़ी ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। सिंह ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी करते हुए अपनी लय पकड़ी और 11-8 से जीत के साथ स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बीच में मोमेंटम बहुत तेजी से बदला। एलीनेन ने तीसरे गेम में दबदबा बनाया और सिंह की कई गलतियों का फायदा उठाकर गेम 11-3 से जीत लिया।

1-2 से पीछे चल रहे अभय चौथे गेम में पूरी तरह से फिट हो गए, और 11-4 से आक्रामक जीत के साथ पासा पलट दिया, जिससे मैच डिसाइडर हो गया। इसके बाद उन्होंने आखिरी गेम में 7-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एलीनेन को चौंका दिया।

विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी अभय का अगला मुकाबला मिस्र के छठे सीड और विश्व नंबर 7 यूसुफ इब्राहिम से होगा। इस बीच, दुनिया की नंबर 20 अनाहत सिंह वर्ल्ड नंबर 1 मिस्र की हानिया एल हम्मामी से हार गईं, जिन्होंने महिलाओं के वर्ग में पहले राउंड में 11-8, 11-5, 9-11, 11-8 से जीत हासिल की।

हाल ही में इंडियन ओपन चैंपियन बनी 18 साल की अनाहत ने अपने अनोखे अटैकिंग स्ट्रोकप्ले से शुरुआत में ही 7-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, टॉप सीड एल हम्मामी ने मुकाबले में वापसी करते हुए पहला सेट 11-8 से जीता, और एकतरफा दूसरे सेट में 11-5 के स्कोर से आगे बढ़ीं। तीसरे गेम में 4-0 से आगे होने के बाद, एल हम्मामी जीतती हुई दिख रही थी, लेकिन अनाहत ने शानदार खेल दिखाते हुए लगातार शानदार विनर्स के साथ मैच में वापसी की और अगले 10 में से नौ अंक जीते। एल हम्मामी के स्कोरलाइन को वापस 10-9 पर लाने के बावजूद, अनाहत ने एक शानदार गेम-बॉल विनर के साथ चौथा गेम अपने नाम कर लिया।

चौथा गेम आगे बढ़ने पर अनाहत के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन 2022 की चैंपियन ने बाद के स्टेज में मजबूती से खेलते हुए 49 मिनट के खेल के बाद 11-8, 11-5, 9-11, 11-8 से कड़ा मुकाबला जीत लिया।

मेसी और सुआरेज के गोल से इंटर मियामी ने ऑस्टिन एफसी के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली। इंटर मियामी सीएफ ने 5 अप्रैल को मियामी के बीचों-बीच बने अपने नए और आधुनिक स्टेडियम में ऐतिहासिक होम ओपनर खेला। इंटर मियामी का मुकाबला ऑस्टिन एफसी से था। मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

मैच की शुरुआत में ऑस्टिन एफसी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए छठे मिनट में बढ़त हासिल कर ली। गुइलहर्मे बिरो ने शानदार गोल दागकर मेहमान टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि, इंटर मियामी ने जल्द ही वापसी की। टीम के कप्तान लियोनल मेसी ने बॉक्स के अंदर से बेहतरीन हेडर लगाकर क्लब का पहला ऐतिहासिक गोल किया और स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस एमएलएस सीजन में मेसी का पहला गोल भी रहा।पहले हाफ के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ऑस्टिन ने 53वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त बना ली। इससे इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी। मैच के अंतिम चरण में कोच जेवियर माशेरानो ने रणनीतिक बदलाव करते हुए लुइस सुआरेज को मैदान पर उतारा।

सुआरेज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए 82वें मिनट में कॉर्नर के बाद शानदार गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। यह इस सीजन में उनका पहला गोल था और इसी के साथ इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में कम से कम एक अंक सुनिश्चित कर लिया।

मैच के बाद माशेरानो ने स्वीकार किया कि टीम ने आखिरी 20-25 मिनट में काफी जोखिम उठाए, लेकिन घरेलू मैदान पर आक्रामक खेल दिखाना जरूरी था। उन्होंने यह भी कहा कि टीम अपने चैंपियन होने का दर्जा बनाए रखना चाहती है।

पहला मैच ड्रॉ रहने के बावजूद इंटर मियामी के लिए यह एक सकारात्मक शुरुआत रही। क्लब पहले ही एमएलएस कप 2025, 2024 सपोर्टर्स शील्ड, और लीग्स कप 2023 जैसे बड़े खिताब जीत चुका है, और अब वह इस नई शुरुआत को और भी यादगार बनाने के इरादे से आगे बढ़ रहा है।

प्रणति नायक: ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली दूसरी महिला जिम्नास्ट

नई दिल्ली। भारत में जिम्नास्टिक्स के क्षेत्र में जिन महिला खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत के दम पर बड़ी सफलता हासिल की है, उनमें प्रणति नायक का नाम काफी लोकप्रिय है। प्रणति नायक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है।

प्रणति का जन्म 6 अप्रैल 1995 को करकाई, पिंगला, पश्चिम मिदनापुर जिला, पश्चिम बंगाल में हुआ था। नायक ने महज 6 साल की उम्र में जिम्नास्टिक्स की दुनिया में कदम रख दिया था।

उन्होंने 2003 में बेहतर प्रशिक्षण के लिए ओडिशा का रुख किया, जहां उनकी कोच मीनारा बेगम ने न सिर्फ उन्हें ट्रेनिंग दी बल्कि उनके रहने-खाने का खर्च भी उठाया। यह उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनानी शुरू की।

2014 कॉमनवेल्थ गेम्स प्रणति के करियर का पहला सबसे बड़ा इवेंट था। उसी वर्ष उन्होंने एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। शुरुआती दौर में उनके प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन समय के साथ इसमें बड़ा सुधार आया।

2017 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने ऑल-अराउंड में 14वां स्थान हासिल किया और वॉल्ट तथा बैलेंस बीम फाइनल तक पहुंचकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इसके बाद, 2018 में मेलबर्न वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स में भी उन्होंने भाग लिया और अनुभव हासिल किया।

प्रणति के करियर का सबसे बड़ा मुकाम 2019 में आया, जब उन्होंने एशियन चैंपियनशिप में वॉल्ट इवेंट में कांस्य पदक जीता। वह दीपा कर्माकर और अरुणा रेड्डी के बाद वॉल्ट में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जिम्नास्ट बनीं। इसी साल उन्होंने इंडियन ऑल-अराउंड चैंपियनशिप भी जीती। प्रणति ने 2022 और 2025 में भी एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज जीता था।

एफए कप: साउथेम्प्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित एफए कप का रोमांच चरम पर है। टूर्नामेंट में बड़े उलटफेर देखने को मिल रहे हैं। सबसे बड़े उलटफेर का शिकार आर्सेनल हुए है। आर्सेनल जैसी दिग्गज टीम को साउथेम्प्टन ने हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। सेंट मैरी स्टेडियम में खेले गए एफए कप क्वार्टर फाइनल में साउथेम्प्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराया।

मैच की शुरुआत में साउथेम्प्टन ने आक्रामक खेल दिखाया और हाफ टाइम से पहले रॉस स्टीवर्ट ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लियो सेनेजा ने भी बेहतरीन मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में तब्दील करने में देर कर दी। दूसरे हाफ में साउथेम्प्टन का दबदबा जारी रहा, हालांकि आर्सेनल ने वापसी करते हुए सब्स्टीट्यूट विक्टर ग्योकेरेस के गोल से बराबरी हासिल कर ली।

जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी सब्स्टीट्यूट शिया चार्ल्स ने मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले शानदार गोल कर साउथेम्प्टन को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी ने अपना दबदबा कायम रखते हुए लिवरपूल को 4-0 से हराकर लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच के हीरो रहे एर्लिंग हालैंड, जिन्होंने शानदार हैट्रिक लगाई। उनके साथ एंटोनी सेमेन्यो ने भी गोल कर टीम की जीत को और मजबूत किया।

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी ने एफए कप में घरेलू मैदान पर लगातार 18वीं जीत दर्ज की और पुराने रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया। कोच पेप गार्डियोला के नेतृत्व में टीम लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है और अब तक कई बड़े खिताब अपने नाम कर चुकी है।

वहीं, चेल्सी ने भी शानदार खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की की। स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए मुकाबले में उन्होंने पोर्ट वेले को 7-0 से हराया और क्लीन शीट भी बनाए रखी।

कुल मिलाकर, इस बार का एफए कप का सेमीफाइनल बेहद रोमांचक होने वाला है, जहां बड़े क्लब्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

टॉमी पॉल ने टियाफो को हराकर पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई

ह्यूसटन । टॉमी पॉल ने 5 अप्रैल को ह्यूस्टन में यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई। अमेरिकी खिलाड़ी ने तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-5, 4-6, 7-6(7) से जीत हासिल की।

इस जीत के साथ, पॉल ने ह्यूस्टन में एटीपी 250 इवेंट में लगातार चौथे चैंपियनशिप मैच में पहुंचने की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। मैच लगभग दो घंटे और 45 मिनट तक चला।

मैच की शुरुआत पॉल ने बेहतरीन खेल से की और पहला सेट 7-5 से जीत लिया। टियाफो ने दूसरे सेट में जल्दी ब्रेक लेकर मुकाबले में वापसी की और सेट 6-4 से अपने नाम किया। मैच के दौरान 90 मिनट की बारिश की देरी ने पॉल के मोमेंटम को थोड़ा बाधित किया, लेकिन उन्होंने फिर भी मजबूती दिखाते हुए ब्रेक पॉइंट बचाया और सेट को अपने पक्ष में किया।

तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ा संघर्ष किया। टियाफो ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन पॉल ने वापसी की और 4-2 से बढ़त बनाई। टियाफो ने फिर 4-4 से बराबरी कर ली, जिससे मुकाबला टाई-ब्रेक में चला गया। टाई-ब्रेक में पॉल 6/4 से आगे थे, लेकिन टियाफो ने दो मैच पॉइंट बचाए। अंततः चौथे सीड वाले पॉल ने अंतिम गेम में दबाव में रहते हुए रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया।

पॉल ने मैच के बाद कहा, 'जब मुझे जरूरत थी, मैंने अच्छा खेला। यह टियाफो के साथ एक शानदार मुकाबला था। वह हमेशा देखने में सबसे एंटरटेनिंग खिलाड़ियों में से रहे हैं। मुझे खुशी है कि हमें यह मैच यहां खेलने का मौका मिला।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415